E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 203 | गुवाहाटी | गुरुवार, 26 फरवरी, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राइजर दल और कांग्रेस के बीच अब तक नहीं हुआ गठबंधन : अखिल गोगोई

नंगाव (हिंस)। विधायक अखिल गोगोई ने कहा है कि उनकी पार्टी राइजर दल और कांग्रेस के बीच अभी तक किसी प्रकार का गठबंधन तय नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव नजदीक हैं और अब इस मुद्दे पर स्थिति साफ हो जानी चाहिए। बुधवार को धिंग में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गोगोई ने बताया कि उनकी पार्टी धिंग, नाओबोइचा, बरसोला, दिसपुर और डिमौ सहित कुल 12 सीटों पर दावा कर रही है। उन्होंने कहा, *यदि हमें हमारी मांग की गई 12 सीटें मिलती हैं तो गठबंधन हो सकता है, अन्यथा नहीं।* उन्होंने यह भी दावा किया कि यदि ऊपरी असम में राइजर दल अकेले चुनाव लड़ता है तो कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। गोगोई ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल 24 सीटों पर उनकी पार्टी के पास मजबूत उम्मीदवार मौजूद हैं। समय की कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कांग्रेस से जल्द यह स्पष्ट करने की मांग की कि गठबंधन होगा या नहीं।

दलगांव सीट को लेकर राजीव भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उग्र विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असम में संभावित गठबंधन के तहत दलगांव विधानसभा सीट को राइजर दल को दिए जाने की चर्चाओं के बीच बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में दलगांव क्षेत्र से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और पार्टी नेतृत्व को स्पष्ट चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि दलगांव परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ रहा है और इसे किसी सहयोगी दल को सौंपना जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ने जैसा होगा। उन्होंने इसे *हतोत्साहित करने वाला समझौता* करार देते हुए नेतृत्व से निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। मंगलवार रात को भी स्थिति तनावपूर्ण रही, जब सौ से अधिक कार्यकर्ता कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के अजंता पथ स्थित आवास के बाहर एकत्र हुए और संभावित सीट बंटवारे के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने साफ कहा कि किसी भी परिस्थिति में दलगांव सीट राइजर दल को स्वीकार नहीं होगी और यदि ऐसा निर्णय लिया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जमीनी कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता से बिना परामर्श के की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दलगांव से कांग्रेस उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया गया तो बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सामूहिक इस्तीफा देने पर विचार कर सकते हैं। इस बीच, पार्टी नेतृत्व की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन घटनाक्रम से स्पष्ट है कि चुनाव से पहले संगठन के भीतर दबाव बढ़ रहा है। जहां कांग्रेस और असम जातीय परिषद के बीच तालमेल लगभग तय माना जा रहा है, वहीं राइजोर दल के साथ सीट बंटवारे को लेकर असमंजस बना हुआ है। राइजोर दल के प्रमुख और शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई ने कहा है कि सीट बंटवारे पर बातचीत अभी पूरी नहीं हुई है और कांग्रेस ने अंतिम निर्णय की औपचारिक जानकारी नहीं दी है। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी ने गठबंधन के तहत 15 विधानसभा सीटों की मांग रखी है। गोगोई ने चेतावनी दी कि यदि राइजोर दल को विपक्षी गठबंधन से अलग रखा गया तो इससे राज्य में भाजपा के खिलाफ संयुक्त चुनौती कमजोर पड़ सकती है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी का युवाओं और वंचित वर्गों के बीच मजबूत जनाधार है, जिसे नजरअंदाज करना विपक्ष की रणनीति के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने किया लखीमपुर में *लवलीना बरगोहाई स्टेडियम* का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के लखीमपुर में 140 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित *लवलीना बरगोहाई स्टेडियम* का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने किया। इसे ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाई के नाम पर समर्पित किया गया है। इसे असम के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन बताया जा रहा है। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रवक्ता कल्याण गोगोई ने कहा कि इस स्टेडियम से विशेषकर लखीमपुर जिला और उत्तर असम के खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 से राज्य सरकार ने 11 जिलों में 50-50 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण स्टेडियम निर्माण का निर्णय लिया था, जिनमें से आठ स्टेडियम पूर्णता की ओर हैं। लखीमपुर के अलावा डिब्रूगढ़, नलबाड़ी और डिफू में भी स्टेडियमों का शुभारंभ हो चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि 40 विधानसभा क्षेत्रों में 12-12 करोड़ रुपए की लागत से मिनी स्टेडियमों का निर्माण प्रथम चरण में किया गया है, जबकि शेष जिलों और क्षेत्रों में दूसरे चरण में कार्य शुरू होगा। इसे राज्य में खेल अवसंरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया गया। राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असम का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों- हिमा दास, लवलीना बरगोहाई, सोनमनी सैकिया और जयंत तालुकदार-को पुलिस विभाग में उप-अधीक्षक पद पर नियुक्त किया है। इसके अतिरिक्त, 2021 से 2025 के बीच राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले 370 खिलाड़ियों को विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्ति दी गई है। असम सरकार ने गुवाहाटी, कोकराझाड़ और जोरहाट में हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर स्थापित किए हैं, जहां खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही *खेल महारण* जैसे आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है।

सेवा संकल्प सप्ताह के तहत आयोजित *नशा मुक्त भारत अभियान* में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य आज कॉटन यूनिवर्सिटी के केबीआर ऑडिटोरियम में सेवा संकल्प सप्ताह के तहत हुए *नशा मुक्त भारत* कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम लोक भवन, असम द्वारा कॉटन विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था और इसमें जागरूकता पहल में छात्र सहभागिता को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह भी शामिल था। इस मौके पर बोलते हुए, राज्यपाल आचार्य ने ड्रग्स, शराब और दूसरी नशीली चीजों से होने वाले गंभीर खतरों पर जोर दिया, खासकर युवाओं पर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नशा न केवल लोगों को बल्कि परिवारों और बड़े पैमाने पर समाज को भी नुकसान पहुंचाता है, जिससे देश का नैतिक और सामाजिक ताना-बाना कमजोर होता है। उन्होंने इस खतरे का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए कम्युनिटी से एक्टिव जुड़ाव और लगातार अवेयरनेस की अपील की। स्व-नियंत्रण और आंतरिक शक्ति के महत्व को उजागर करते हुए, राज्यपाल ने भगवद गीता की शाश्वत बुद्धिमता का उल्लेख किया, यह रेखांकित करते हुए कि आत्म-नियंत्रण और सचेत प्रयासों के बिना विनाशकारी प्रवृत्तियों को पार करना असंभव है। उन्होंने कहा कि लत व्यक्ति को उसकी अंतर्निहित क्षमता से भटका देती है और युवाओं से अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों की ओर केंद्रित करने का आग्रह किया। राज्यपाल आचार्य ने कहा कि नशे का गलत इस्तेमाल देश की तरक्की के लिए एक बड़ी चुनौती है, खासकर तब जब यह युवाओं पर असर डालता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं की शक्ति, जब सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल की जाए, तो बदलाव लाने वाला विकास कर सकती है। उन्होंने *नशा-मुक्त भारत* कैंपेन को मानव संसाधन की सुरक्षा के लिए एक मिलकर देश का संकल्प बताया। उन्होंने आगे भारत की ज्ञान परंपराओं की प्रासंगिकता पर जोर दिया कि वे नशे की लत जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने में सहायक हो सकती हैं। राज्यपाल ने कहा कि योग और ध्यान जैसी प्रथाएं, जो मानसिक दृढ़ता को बढ़ाती हैं, इस चुनौती का सामना कर सकती हैं। उन्होंने छात्रों को खेल, रचनात्मक कला, कौशल विकास और सामुदायिक सेवा को ऐसे सार्थक विकल्पों के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जो अनुशासन और आत्मविश्वास को पोषित करते हैं। इस संदर्भ में राज्यपाल ने एक सहायक और सतर्क वातावरण बनाने में परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक समाज संगठनों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों के प्रति दयालु दृष्टिकोण की वकालत की, पुनर्वास, परामर्श और समाज में सम्मानजनक पुनः एकीकरण पर जोर दिया। कॉटन विश्वविद्यालय और प्रतिभागियों के प्रति प्रशंसा व्यक्त करते हुए, राज्यपाल ने *नशा मुक्त भारत अभियान* की निरंतर सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और एक स्वस्थ, सशक्त और नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ज्ञात हो कि जागरूकता पहल के हिस्से के रूप में, छात्रों ने नशा मुक्त भारत की थीम पर केंद्रित नारा लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। राज्यपाल ने विजेताओं को सम्मानित किया और छात्रों की रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी की सराहना की।

गठबंधन के पक्ष में हूं, राइजर दल से वार्ता अभी अधूरी : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा सांसद गौरव गोगोई ने संभावित चुनावी गठबंधन को लेकर कहा कि वह गठबंधन के पक्ष में हैं, हालांकि रायजर दल के साथ बातचीत अभी अधूरी है। उन्होंने बताया कि अन्य कुछ दलों के साथ चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है और औपचारिक घोषणा बाकी है। गौरव गोगोई ने कहा कि गठबंधन को लेकर औपचारिक चर्चा की जाएगी और अंतिम निर्णय से पहले गोपनीयता बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य इकाई द्वारा केंद्रीय नेतृत्व को वार्ता की स्थिति से अवगत कराया गया है और शीघ्र ही विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा उनकी भारत-फिलीपींस संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए गोगोई ने कहा कि यह जिम्मेदारी लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इसके बाद मुख्यमंत्री के आरोपों का कोई महत्व नहीं है।

पूसीरे परिक्षेत्र में होली स्पेशल ट्रेनों के 100 से अधिक फेरों का परिचालन

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी होली त्यौहार के दौरान सुलभ और आरामदायक यात्रा की सुविधा प्रदान करने तथा यात्री परिवहन में होने वाली बढ़ोतरी के बेहतर प्रबंधन के लिए, भारतीय रेलवे द्वारा पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) क्षेत्राधिकार में कुल 14 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनों के 128 फेरों का परिचालन किया जाएगा। त्यौहारी भीड़ के दौरान मौजूदा नियमित ट्रेन के अतिरिक्त ये स्पेशल सेवाएं परिचालन को अतिरिक्त बढ़ावा और जरूरी अतिरिक्त क्षमता प्रदान करेंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि फरवरी, 2026 से होली स्पेशल ट्रेनों के रूप में 11 जोड़ी ट्रेनें पहले से ही चल रही हैं। इसके अलावा टाटानगर-कटिहार-टाटानगर, अगरतला-गुवाहाटी-अगरतला और किशनगंज-लालकुआं-किशनगंज के बीच तीन और स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैं। स्पेशल ट्रेन संख्या 08181 (टाटानगर-कटिहार) 2 मार्च से 30 मार्च तक प्रति सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन टाटानगर से 13-00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन कटिहार 07-30 बजे पहुंचेगी। वापसी में, स्पेशल ट्रेन संख्या 08182 (कटिहार-टाटानगर) 3 मार्च से 31 मार्च तक प्रति मंगलवार को चलेगी। यह ट्रेन कटिहार से 10-30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन टाटानगर 04-30 बजे पहुंचेगी। दोनों ट्रेनें 05-05 फेरों के लिए चलेंगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05628 (अगरतला-गुवाहाटी) 5 मार्च से 26 मार्च तक प्रति गुरुवार को चलेगी। यह अगरतला से 19-00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन गुवाहाटी 09-00 बजे पहुंचेगी।

नगांव : विभिन्न मंदिरों में विधायक रुपक शर्मा का चेक वितरित

नगांव (निसं)। असम दर्शन योजना के तहत नगांव- बटद्रवा क्षेत्र के विधायक रूपक शर्मा ने हैबरगांव मंडल अधिनस्थ कई मंदिरों में अनुदान राशि के चेक मंगलवार को वितरित किए। इस वक्त उनके साथ हैबरगांव भाजपा मंडल के अध्यक्ष सुनील कुमार आलमपुरिया, पार्षद हेमा झंवर व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। अनुदान राशि की पहली किस्त डेढ़ लाख रुपए के चेक अलग-अलग मंदिरों के पदाधिकारीयों ने ग्रहण किए। श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी में रतन कुमार जाजोदिया ने, धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में राजेन्द्र प्रसाद मुंदड़ा ने शहीद शंकर कटोकी पथ स्थित श्री शनि मंदिर में पवन कुमार गाड़ोदिया ने चेक ग्रहण किए। इसके अतिरिक्त विधायक श्री शर्मा ने एम डी रोड स्थित श्री विष्णु मंदिर, लाउखोआ रोड स्थित पब्लिक नामघर, कैलाश नगर स्थित एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट एशोसियेशन, क्रिमेशन कमिटि, हैबरगांव, चांदमारी रोड स्थित काली मंदिर, स्टेशन रोड स्थित काली मंदिर, शांतिपुर स्थित वेस्ट प्बलिक कालीबाड़ी मंदिर, मां शक्ति संघ, हैबरगांव व लक्खी नगर माधोपुर नामघर प्रमुख है।

फकीराग्राम में बीटीसी सरकार की पांच योजनाओं का शुभारंभ

लाभार्थियों के बीच चेक एवं भूमि का पट्टा वितरण

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम पुराना बाजार खेल मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में बीटीसी सरकार द्वारा पांच महत्वपूर्ण परियोजनाओं का औपचारिक रूप शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न वर्गों के लाभार्थियों के बीच आर्थिक सहायता के चेक एवं भूमि पट्टा का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि चुनाव के दौरान बीपीएफ दल द्वारा जनता से किए गए वादों के अनुरूप भूमि पट्टा वितरण, स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग, बेरोजगार युवक-युवतियों को वित्तीय सहायता, वरिष्ठ नागरिकों को अनुदान तथा दिव्यांगजनों को सहायता प्रदान करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक योजना के तहत पांच-पांच लाभार्थियों को चेक प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त पांच स्वयं सहायता समूहों को भी आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए। इस प्रकार पांचों परियोजनाओं का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सरकार के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही फकीराग्राम परिषद् क्षेत्र के एमसीएलए एजामुल हक, फकीराग्राम नगर पालिका के अध्यक्ष सुल्तान आलम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में मौजूद थे। वक्ताओं ने सरकार की जनकल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में विकास योजनाओं को और सशक्त रूप से लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनके जीवन एवं आजीविका में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुझाव या शिकायत के लिए क्यूआर कोड स्थापित

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में पिछले दिन शिकायत और सुझाव दर्ज करने के लिए एक नई क्याआर कोड आधारित प्रणाली शुरू की गई। इस संबंध में धुबड़ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की प्राचार्य अंकुमानी सैकिया ने बताया कि अस्पताल परिसर के विभिन्न स्थानों पर क्यूआर कोड स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से मरीज और आम जनता आसानी से स्कैन कर मोबाइल फोन के जरिए अपनी राय शिकायत या सुझाव दर्ज कर सकते हैं। डिजिटल प्रणाली के अलावा जो लोग लिखित रूप से अपनी शिकायतें या सुझाव देना चाहते हैं, उनके लिए ओपीडी में हॉट कॉफी फीड बैंक फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया है। उक्त इस व्यवस्था का उद्देश्य अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाब देही और निरंतर सुधार सुनिश्चित है।

आग में घर जलकर राख लाखों का नुकसान

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के पश्चिम बांसवाड़ी इलाके में लगी भयावह आग के दौरान देखते ही देखते एक व्यक्ति का घर और दो कार पूरी तरह जलकर राख हो गयी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात जिले के पश्चिम बांसवाड़ी इलाके में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और अग्निशमन की टीम पहुंची। आग पर समय रहते काबू पा लिया गया हालांकि, आग बुझाए जाने तक जयंत दास का घर और दा वाहन पूरी तरह जल गया। घर में आग लगने के दौरान दो रसोई गैस के सिलेंडरों में विस्फोट की वजह से आग ने भयावा रूप ले लिया। आग लगने की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी।

नगांव में सिटी बस सेवा का शुभारंभ

नगांव (निसं)। शहर की परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में नगांव जिला प्रशासन और जिला परिवहन विभाग ने जनहित में एक सराहनीय संयुक्त पहल की है। बुधवार को नेहरुवाली मैदान में नगांव के विधायक रूपक शर्मा और उपायुक्त देवाशीष शर्मा ने औपचारिक रूप से नई सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया। इस पहल से शहर की यातायात व्यवस्था को तेज, सुगम और सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ छात्रों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर विधायक रूपक शर्मा और उपायुक्त देवाशीष शर्मा ने कहा कि सिटी बस सेवा शुरू करने वाला नगांव राज्य का दूसरा शहर बन गया है। उन्होंने नागरिकों से नियमित रूप से सिटी बस सेवा का उपयोग करने की अपील की, ताकि यह सेवा स्थायी रूप से जारी रह सके। उन्होंने निकट भविष्य में बसों की संख्या बढ़ाने का आश्वासन भी दिया। साथ ही सामान्य बसों के अतिरिक्त इलेक्ट्रिक, वातानुकूलित *ग्रीन सिटी बस* सेवा शुरू करने की भी योजना पर प्रकाश डाला। प्रशासन ने कुल छह बसों के साथ शहर के तीन प्रमुख मार्गों पर सेवा शुरू की है, जिसके बाद दो और बसें जोड़ी जाएंगी। प्रमुख मार्ग इस प्रकार हैं- बेबेजिया चाराली से पुरानीगुदाम (15 स्टॉप) और पुरानीगुदाम से बेबेजिया चाराली, हैबरगांव स्थित ढिंग गेट से कंपुर टाउन (14 स्टॉप) और कंपुर टाउन से धिंग गेट, रुपाही मार्केट से डिमौ चाराली (13 स्टॉप) और डिमौ चाराली से रुपाही मार्केट। विशेष रूप से, हैबरगांव के धिंग गेट से संपूर्ण टाउन मार्ग पर चलने वाली दो अतिरिक्त बसों को नगांव शहर से बटद्रवा तक विस्तारित किया गया है। बटद्रवा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की पवित्र जन्मस्थली है। इससे बटद्रवा थान तथा नवनिर्मित *श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र* जाने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों को काफी लाभ मिलेगा। सिटी बस सेवा प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक संचालित होगी। किराया दूरी के आधार पर किफायती दरों पर निर्धारित किया गया है- पहले 5 किमी. तक 10 रुपए, 5 से 10 किमी. तक 15 रुपए, 10 से 15 किमी. तक 20 रुपए, 15 से 20 किमी. तक 25 रुपए, 20 से 25 किमी. तक 30 रुपए, 25 से 30 किमी. तक 35 रुपए और 30 से 35 किमी. तक 40 रुपए।

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत, एक घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बोरागांव इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आज बताया है कि बोरागांव के तेतेलियां इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य युवक को गंभीर अवस्था में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के समय दोनों युवक घटनास्थल के पास दीपर बिल (झील) में मछली पकड़ने के लिए पहुंचे थे। हादसे में मारे गए और घायल दोनों की पहचान अंतिम सूचना मिलने नहीं हो पाई थी। हादसे के बाद युवक के शव के ऊपर से एक के बाद एक कई ट्रेन गुजर गई। पुलिस मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर हादसे में मारे गए और घायल दोनों युवकों की पहचान करने में जुट गई है।

रंगिया : श्री श्याम वार्षिक फाल्गुणोत्सव की धूम

रंगिया (विभास)। फाल्गुन मास की पवित्र बेला में रंगिया शहर भगवान श्री श्याम की भक्ति से सराबोर हो गया। बुधवार को श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर से प्रारंभ हुई विशाल धार्मिक शोभायात्रा ने पूरे शहर को एक दिव्य ज्योति से आलोकित कर दिया। असंख्य भक्तों की भारी भीड़ के साथ निकली इस निशान यात्रा ने रंगिया की विभिन्न गली-नुक्कड़ को स्पर्श किया और अंत में स्थानीय संगम संघ प्रांगण में इसका भव्य समापन हुआ। यह एकदिनीय महोत्सव न केवल रंगिया की प्राचीन सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को जीवंत करने का माध्यम बना, बल्कि समुदाय की एकजुटता का भी प्रतीक साबित हुआ। सुबह श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर से शुरू हुई इस शोभायात्रा में भक्तों ने भगवान श्याम के पवित्र निशान को कंधों पर उठाया और शहर की पूर्ण परिक्रमा की। ढोल-नगाड़ों की गूंजती थाप, नाच-गान की रंगारंग प्रस्तुतियां, भजन-कीर्तनों की मधुर धुनें और भक्ति रस से ओतप्रोत वातावरण ने यात्रा को एक जीवंत चित्र की तरह बना दिया। महिलाएं सज-धजकर, बच्चे उत्साह से नाचते-झूमते और बुजुर्ग श्रद्धा से निशान को छूते हुए आगे बढ़ रहे थे। आयोजक करने वाला श्याम कराने वाला श्याम ने बताया पिछले तीन वर्षों से रंगिया में फाल्गुन महोत्सव मनाया जा रहा है, जो भक्तों के बीच भाईचारे और समर्पण की भावना को मजबूत करता है। दोपहर के बाद संध्या 6 बजे से संगम संघ प्रांगण में बाबा श्याम की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इसके बाद विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें भजन संध्या मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। कलकत्ता के सौरभ शर्मा, मध्य प्रदेश की अधिष्ठा अनुष्का सहित गुवाहाटी से आमंत्रित प्रसिद्ध गायक कलाकार विशाल बजाज और रोहित तोदी ने भगवान श्याम के गुणगान गाए। उनकी मधुर स्वरलहरियां श्रोताओं को भक्ति के आलम में ले गईं। भजन संध्या के दौरान श्याम बाबा के लोकप्रिय भजनों पर पूरा प्रांगण झूम उठा। वहीं महाप्रसाद का भी भव्य आयोजन किया गया। रंगिया शहर में इस महोत्सव ने एक उल्लासपूर्ण वातावरण पैदा कर दिया।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 203 | गुवाहाटी | गुरुवार, 26 फरवरी, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कैबिनेट की बैठक : दो से अधिक संतान वाले भी लड़ सकेंगे पंचायतीराज... पेज 5
एशिया बन रहा वैश्विक आइर्थक वृद्धि का नया केंद्र, भारत और चीन ... पेज 6
पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भविष्य पर ईसीबी की सफाई, द हंड्रेड में ... पेज 7
चाय और कॉफी पीने से पीले होते हैं दांत... पेज 8

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पूर्वाग्रह से ग्रसित दंड देना लोक निंदा का कारण बनता है।
– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

ईडी ने अनिल अंबानी का 3716 करोड़ का घर किया जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आलीशान आवास *अबोड* पर अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है, जिसकी कीमत चौंका देने वाली 3,716.83 करोड़ रुपए है। पाली हिल के पॉश इलाके में स्थित, 66 मीटर ऊंचा और 17 मंजिला यह -शेष पृष्ठ छह पर

भारत-बांग्लादेश के बीच शुरू हुई मैत्री बस सेवा

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक और भौगोलिक निकटता को मजबूती देने वाली अंतर्राष्ट्रीय बस सेवा रॉयल मैत्री फिर से शुरू हो गई। बांग्लादेश में डेढ़ साल से जारी राजनीतिक अस्थिरता और वीजा संबंधी जटिलताओं के कारण यह सेवा 18 महीनों से ठप थी। मंगलवार को 20 यात्रियों को लेकर पहली बस ढाका के रास्ते अगरतला पहुंची। इस मौके पर त्रिपुरा के -शेष पृष्ठ छह पर

चुनाव में 103 सीटों पर मजबूत स्थिति में है भाजपा : मुख्यमंत्री

40 नए उम्मीदवारों के मैदान में उतरने की संभावना

जोरहाट। असम विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को संकेत दिया कि भाजपा लगभग 40 नए उम्मीदवारों को मैदान में उतार सकती है, और दावा किया कि पार्टी 103 निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत स्थिति में है। इस साल हमारे पास 103 अच्छी सीटें हैं। चालीस नए चेहरे चुनाव लड़ेंगे। चाहे मैं कहूं या न कहूं, वे निश्चित रूप से आएंगे, शर्मा ने जोरहाट में मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा। सीट बंटवारे की व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि असम गण परिषद (अगप) के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि राभा संयुक्त मंच के साथ बातचीत लगभग अंतिम रूप ले चुकी है, जबकि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ चर्चा 28 फरवरी से पहले होने की उम्मीद है। चुनाव तिथियों की घोषणा के संबंध में, शर्मा ने दोहराया कि उनकी सरकार ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से बोहाग बिहू से पहले विधानसभा चुनाव कराने का आग्रह किया है, क्योंकि त्योहार के बाद मतदान निर्धारित होने पर रसद और सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न होंगी। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव की तारीख की घोषणा नहीं कर सकता, लेकिन हमने चुनाव आयोग से बोहाग बिहू से पहले चुनाव कराने का अनुरोध किया है। बोहाग बिहू के बाद मानसून का मौसम शुरू हो जाता है, और उस दौरान चुनाव कराना मुश्किल होगा। अगर बिहू के बाद चुनाव कराए गए, तो हमें बिहू समारोहों और चुनाव प्रचार दोनों के लिए पुलिस कर्मियों को तैनात करना होगा, जो चुनौतीपूर्ण होगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कथित असंतोष की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें कहा गया है कि पार्टी ने कई अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों को विपक्षी गठबंधन सहयोगियों के लिए छोड़ दिया है, शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का इन सीटों पर एक मजबूत संगठनात्मक आधार है। उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार करने का कोई मतलब नहीं है कि अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस की मजबूत उपस्थिति है और इन सीटों पर जीत की प्रबल संभावना है। यदि ये सीटें रायजोर दल या असम जातीय परिषद को मिल जाती हैं, तो अगली बार कांग्रेस विपक्ष की बेंच पर बैठने से वंचित हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता का पद हासिल करने के लिए किसी भी पार्टी को 126 सदस्यीय विधानसभा में कम से कम 22 सीटों की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर रायजोर दल को पांच सीटें मिलती हैं, एजेपी को एक सीट मिलती है और एआईयूडीएफ दो या तीन सीटें जीतता है, तो कांग्रेस अगले साल विपक्ष की सीट निश्चित रूप से खो देगी।

असम ने आठवें वेतन आयोग का गठन रिपोर्ट 18 महीनों में आने की उम्मीद है

गुवाहाटी। असम सरकार ने अपने कर्मचारियों के वेतन ढांचे में व्यापक संशोधन के लिए 8वें वेतन आयोग, 2026 का गठन किया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि आयोग की अध्यक्षता पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव सुभाष चंद्र दास करेंगे और इसमें सात अन्य सदस्य शामिल होंगे। सरकार राजकोषीय स्थिरता को मजबूत करने, सेवा वितरण परिणामों में सुधार करने और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का यह मत है कि वेतन संरचना में संशोधन के साथ-साथ मानव संसाधन प्रबंधन, प्रौद्योगिकी अपनाने, परिणाम-आधारित शासन और मानव शक्ति के युक्तिकरण में संरचनात्मक सुधार भी आवश्यक हैं, आदेश में कहा गया है। इसमें कहा गया है कि 8वें असम वेतन आयोग में अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में यूजीसी या एआईसीटीई या तकनीकी वेतनमानों पर कार्यरत -शेष पृष्ठ छह पर

अरुणाचल की महिलाओं से बदसलूकी पर भड़कीं सीएम गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मालवीय नगर में अरुणाचल प्रदेश की महिलाओं से दुर्व्यवहार पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है और पीड़ितों से मिलने की बात कही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और जांच एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा की जा रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली के मालवीय नगर में पूर्वोत्तर -शेष पृष्ठ छह पर

विस चुनाव से पहले प्रशासन ने सभी लाइसेंसी हथियारों को जमा करने का दिया निर्देश

गुवाहाटी। असम विधानसभा के 2026 के आम चुनाव से पहले, कामरूप महानगर जिला प्रशासन ने सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को एक सप्ताह के भीतर अपने आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद जमा करने का निर्देश दिया है ताकि चुनावों का स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित किया जा सके। कामरूप महानगरपालिका के जिला मजिस्ट्रेट और जिला आयुक्त द्वारा जारी आदेश में चुनाव अवधि के दौरान कामरूप महानगरपालिका निर्वाचन क्षेत्र के भीतर किसी भी प्रकार के हथियार ले जाने और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह निर्देश शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 17(3)(ख) और धारा 21(1) के तहत लागू किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, वैध शस्त्र लाइसेंस धारक सभी व्यक्तियों को आदेश जारी होने की तिथि से सात दिनों के भीतर अपने हथियार और गोला-बारूद संबंधित पुलिस स्टेशनों में जमा करने होंगे। जमा किए गए हथियार चुनाव परिणाम घोषित होने के एक सप्ताह बाद तक पुलिस हिरासत में रहेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि छूट चाहने वाले संगठनों, संस्थानों, -शेष पृष्ठ छह पर

पीएम मोदी की यात्रा के लिए बराक घाटी में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था कड़ी की गई

सिलचर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को बराक घाटी यात्रा की तैयारियों में बुधवार को तेजी आई, जिसमें रसद, भीड़ प्रबंधन और यातायात विनियमन को सुव्यवस्थित करने के लिए उपायुक्त के सम्मेलन कक्ष में एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। सिलचर शहर में भीड़भाड़ को रोकने के लिए अधिकारियों ने एक विकेंद्रीकृत आवागमन योजना तैयार की है। इस रणनीति के तहत, श्रीभूमि और हैलाकांदी जिलों से आने वाले प्रतिभागियों को शहर में प्रवेश किए बिना सीधे कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा। सिलचर और आसपास के इलाकों के निवासियों को व्यवस्थित और भीड़भाड़ से मुक्त तरीके से बैठक स्थल तक पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए अलग से यातायात व्यवस्था को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विवरणों की घोषणा करते हुए, बराक घाटी विकास विभाग के प्रमुख कैबिनेट मंत्री कौशिक राय ने कहा कि रामनगर बाईपास पर 200 बीघा भूमि पर एक जनसभा आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग दो लाख लोगों के बैठने की -शेष पृष्ठ छह पर

कछार में अज्ञात शरारती तत्वों ने नेहरू की प्रतिमा तोड़ी, कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला

सिलचर। असम के कछार जिले में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा को अज्ञात शरारती तत्वों ने तोड़ दिया, जिससे राजनीतिक आक्रोश फैल गया। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने इस मामले को लेकर सरकार की चुप्पी को चिंताजनक बताया। गौरव गोगोई ने कहा कि इस कृत्य से उस स्वाधीनता सेनानी की विरासत का अपमान हुआ है, जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार की रात बराक घाटी क्षेत्र के लखीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाइलापूल बाजार इलाके में हुई। पुलिस ने अब तक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उस खुदाई मशीन को जब्त किया है, जिससे प्रतिमा उखाड़ी गई थी। इसके बाद कांग्रेस ने कार्रवाई में नरमी बरतने का आरोप लगाया है। लखीपुर थाना प्रभारी शंकर दयाल ने कहा कि हमें घटना का कोई चश्मदीद नहीं मिला है। हालांकि, व्यापार संघ के एक सीसीटीवी कैमरे में कुछ अज्ञात लोग खुदाई मशीन की मदद से प्रतिमा तोड़ते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। दयाल ने कहा कि हमने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और मशीन -शेष पृष्ठ छह पर

मेघालय विस में सीएम पति को विधायक पत्नी ने घेरा

प्रोजेक्ट में देरी पर पूछे जोरदार सवाल

शिलांग। मेघालय विधानसभा में पति-पत्नी के बीच अनोखी बहस देखने को मिली। विधानसभा में बहस के दौरान एनपीपी विधायक मेंहताब चंदी ए. सांग्मा ने अपने पति और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. सांग्मा से पशुधन शिक्षा प्रोजेक्ट्स पर सवाल किया। अपनी पत्नी के सवाल पर सीएम ने भरोसा दिलाया कि इस प्रोसेस में तेजी लाई जाएगी। सदन में यह मुद्दा उठाते हुए, गैंबेग्रे के विधायक ने 2022 में कैबिनेट द्वारा पहली बार प्रस्तावित एक वेटेरिनरी कॉलेज, दो फिशरी कॉलेज और एक डेयरी कॉलेज की प्रोग्रेस पर क्लैरिटी मांगी, और राज्य भर के वेटेरिनरी ट्रेनिंग सेंटर्स में मैनपावर की कमी का भी जिक्र किया। सरकार की ओर से जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इन इंस्टीट्यूशन्स की योजना पशुधन सेक्टर को मजबूत करने के लिए बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि ये तीन कॉलेज -शेष पृष्ठ छह पर

गौरव गोगोई इंडिया-फिलीपींस संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष के लिए नामित, असम सीएम ने कसा तंज

नई दिल्ली /गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि इंडिया-फिलीपींस संसदीय मैत्री समूह में उनका नामांकन संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है और ध्यान राजनीतिक टिप्पणियों नहीं, बल्कि गवर्नेंस पर होना चाहिएहिमंत विश्वा शर्मा पर टिप्पणी भी की। असम कांग्रेस के अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई को इंडिया-फिलीपींस संसदीय मैत्री समूह का अध्यक्ष बनाने का नाकांकन हुआ है। उनके नामांकन पर असम के मुख्यमंत्री ने बयान दिया था कि गोगोई को पाकिस्तान से जुड़ी जिम्मेदारी दी जानी चाहिए थी। इस पर गोगोई ने कहा कि सीएम के बयानों पर किसी गंभीर जवाब की जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि पार्लियामेंट्री नियुक्ति पर राजनीतिक बयान बाजियां करने के बजाय गवर्नेंस और लोगों की भलाई पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा मुख्यमंत्री के बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। -शेष पृष्ठ छह पर

अंतिम मतदाता सूची से पहले भी हो सकती है चुनाव तिथियों की घोषणा : ईसी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने संकेत दिया है कि अंतिम और पूर्ण मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जा सकती है, बशर्ते कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन किया जाए। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, नामांकन की अंतिम तिथि तक प्रकाशित सभी मतदाता सूचियों को चुनाव प्रक्रिया के लिए मान्य माना जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि अंतिम मतदाता सूची चरणबद्ध तरीके से प्रकाशित हो रही हो, तब भी उपलब्ध सूचियों के आधार पर चुनाव संपन्न कराए जा सकते हैं। राज्य में अब तक प्रारूप मतदाता सूची से 58 लाख से -शेष पृष्ठ छह पर

पाकिस्तान : फर्जी डिग्री वाला जज पांच साल तक सुनाता रहा फैसले एचसी ने खोली पोल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से न्याय व्यवस्था को हिला देने वाला मामला सामने आया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) ने 23 फरवरी को 116 पन्नों का विस्तृत फैसला जारी कर जस्टिस तारिक महमूद जहांगीरी को उनके पद से हटा दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि उनकी कानून की डिग्री शुरू से ही अमान्य थी, इसलिए हाई कोर्ट के जज के रूप में उनकी नियुक्ति भी कानूनी तौर पर अवैध थी। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत को विश्वविद्यालय ऑफ कराची के रजिस्ट्रार से मूल शैक्षणिक रिकॉर्ड प्राप्त हुए। जांच में पाया गया कि 1988 में उन्होंने फर्जी नामांकन नंबर से परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़े गए। 1989 में विश्वविद्यालय ने उन्हें तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। इसके बाद भी उन्होंने कथित रूप से धोखाधड़ी जारी रखी। अगले वर्ष उन्होंने *तारिक जहांगीरी* नाम से परीक्षा दी और एक ऐसा एनरोलमेंट नंबर इस्तेमाल किया जो किसी अन्य छात्र इम्तियाज अहमद को जारी हुआ था। गवर्नमेंट इस्लामिया लॉ कॉलेज के -शेष पृष्ठ छह पर

राष्ट्र निर्माण में स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति

बुलढाणा (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शिरगांव में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि संत गजानन महाराज की पावन भूमि पर स्वास्थ्य और जनकल्याण को समर्पित कार्यक्रम का उद्घाटन करना उनके लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में आरोग्यं परमं सुखम् कहा गया है अर्थात अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा सुख है। राष्ट्र निर्माण में स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी जैसी आयुष प्रणालियां केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं बल्कि संतुलित आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग और ध्यान पर आधारित समग्र जीवनशैली ढांचा प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि आज विश्व यह समझ रहा है कि वास्तविक स्वास्थ्य शरीर और मन के संतुलन से ही संभव है। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आयुर्वेद को प्रकृति पर आधारित -शेष पृष्ठ छह पर

चंदा नहीं देने पर बांग्लादेश में हिंदू व्यवसायी पर हमला

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश के पटुआखाली जिले में पांच लाख टाका चंदा नहीं देने पर एक अल्पसंख्यक हिंदू व्यवसायी के साथ मारपीट और उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप है कि मिर्जागंज उपजिला के एक स्थानीय राजनीतिक पदाधिकारी और उनके सहयोगियों ने व्यवसायी पर हमला किया। पीड़ित की पहचान निर्मल दास (50) के रूप में हुई है। घटना 22 फरवरी की शाम मिर्जागंज उपजिला के सुबिदखाली बाजार में हुई। लोगों ने घायल निर्मल दास को बचाकर मिर्जागंज उपजिला स्वास्थ्य परिसर में प्राथमिक उपचार कराया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें बरिशाल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित का आरोप है कि 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनाव के बाद से उनसे पांच लाख चंदा मांगा जा रहा था। 22 फरवरी की शाम करीब साढ़े सात बजे जब वह घर से अपनी दुकान की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्हें रोककर कथित रूप से चंदा मांगा गया। इंकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई। निर्मल दास ने मिर्जागंज थाने में लिखित शिकायत देकर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। हालांकि, आरोप है कि पुलिस ने अब तक इसे औपचारिक रूप से दर्ज नहीं किया है। स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस कार्रवाई से बच रही है। मिर्जागंज थाना प्रभारी मो. अब्दुस सलाम ने कहा कि एक हिंदू व्यवसायी के साथ मारपीट और चंदा मांगने की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले को संज्ञान में लिया गया है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि राजनीतिक हस्तक्षेप के -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अद्र्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है- 'प्रहार'। अर्थात प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी 'आतंकवाद' माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है। दरअसल ये शब्द सरकार की तरफ से असंख्य बार बोले जा चुके हैं। खासतौर पर आतंकी हमले के बाद ऐसे वक्तव्य सामने आते रहे हैं। बुनियादी और मौजू सवाल, 'प्रहार' की घोषणा के बावजूद, यह है कि आतंकवाद की परिभाषा क्या है? संयुक्त राष्ट्र भी आज तक यह परिभाषा स्पष्ट नहीं कर सका है। यदि भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है, तो आतंकवाद की परिभाषा भी स्पष्टत: बतानी चाहिए, क्योंकि देश को एक निश्चित 'सुरक्षा सिद्धांत' की जरूरत है। परिभाषा के अभाव में 'प्रहार' महज एक नीतिगत वक्तव्य से अधिक कुछ नहीं लगता। सवाल राष्ट्रीय नीति और उसकी स्वीकार्यता का है। देशवासी जानना चाहेंगे कि आतंकवाद का खतरा बाहर और भीतर से कितना है और सरकारी एजेंसियां किस तरह इन खतरों से निपट रही हैं।

खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अद्र्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है।

ताज महोत्सव (18 से 27 फरवरी) पर विशेष

ताज की छाया में संस्कृति का विराट उत्सव है ताज महोत्सव

योगेश कुमार गोयल

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरमः परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है। सन् 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है।

दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं।

यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं। कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं। भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है। इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं। आगरा स्वयं भी अपने आप में इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में 'अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है। इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है। महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

देश दुनीया से

उचित दाम और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए

कृषि मंत्रालय ने बीज संशोधन बिल 2025 का मसौदा जारी किया है, जिस पर 11 दिसंबर तक सार्वजनिक सुझाव मांगे गए थे। हमारे आसपास आज जो बीज हैं, उनकी विशेषताएं लाखों सालों के विकास से समुदायों ने अर्जित की हैं। बीज विज्ञान के प्रारंभ से पहले भी किसान अपनी निगाह से उन्नत किस्म के बीज तैयार करते थे, जिससे पैदावार अधिक होती थी। हालांकि, कृषि विज्ञान के विकास के बाद आधुनिक शोध ने बीज और उत्पादकता में महत्वपूर्ण प्रगति की है, फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। निःसंदेह, बीज के भीतर भी एक बीज होता है उसमें 'जीन कोड' होते हैं जो पौधे के गुणों और उसकी विशेषताओं को अगली पीढ़ी की फसल में ट्रांसफर करने का काम करते हैं। विभिन्न किस्मों के पौधों के मिश्रण से नई शंकर-हाइब्रिड किस्म निकाली जाती है। यह काम वैज्ञानिक लोग आधुनिक यंत्रों और तकनीक से करने लगे हैं जिसे 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' कहते हैं। इससे पौधों की ऊंचाई, दाने या फल का आकार व रंग और भीतर के प्रोटीन आदि तत्व भी डाले जा सकते हैं। इस तकनीक से अगर खिलवाड़ की जाए तो उसके बहुत ही ख़तरनाक परिणाम भी निकल सकते हैं। वर्ष 1960-65 की 'हरित क्रांति' उत्पादन के मामले में भारत ने जो आत्मनिर्भरता हासिल की, उसमें अधिक उपज देने वाली गेहूं, चावल की नई किस्में तैयार करने का अहम योगदान था। उस समय बीज, दवाई, उर्वरक आदि पर निजी कंपनियों का विशेष नियंत्रण नहीं था और ये तमाम प्रबंध सरकारी विभागों और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा ही किये गए थे। कृषि क्षेत्र में निजी पूंजी के प्रवेश के चलते और कृषि उपकरणों समेत बीज, दवाई आदि के मामले में देशी-विदेशी कंपनियों ने पैठ बना ली। सरकार किसानों के नाम पर जो सब्सिडी देती थी, उसका बड़ा हिस्सा इन्हीं कंपनियों के खाते में जाने लगा है। हरित क्रांति के उपरांत बीज के क्षेत्र में निजी कंपनियों ने अपना वर्चस्व बनाना शुरू किया। अंधाधुंध मुनाफे के लिए ज्यादा उत्पादन के दावे किए गए। लेकिन कीट व बीमारी के प्रकोप बढ़ गए क्योंकि पुराने बीजों में जो कुदरती तौर पर प्रतिरोधी गुण बीजों ने ग्रहण किए थे उनका क्षरण होने लगा। प्राइवेट कंपनियों ने कीटनाशक दवाइयां बेचने के लिए इसे भी एक अवसर की तरह देखा। यहां बीटी कॉटन का उदाहरण सामने है। गुलाबी सुंडी की प्रतिरोधक क्षमता के दावे करके महंगे बीज बेचे गए और गुलाबी सुंडी से कपास उत्पादक किसानों की व्यापक बर्बादी हुई। निःसंदेह, बहुस्तरीय और कई साल की ट्रायल के बाद ही बीज की नई किस्मों को स्वीकृति मिलती है। उसके बाद ही बीज को बेचे जाने की अनुमति मिल सकती है। बिक्री करने वाली कंपनी को विधिवत रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है। लेकिन किसान अपने बचे हुए बीज को बेचने, बदलने, विकसित करने और उसे स्टाक करने के अधिकार भी रखता है। बीज नियमों के संचालन और निगरानी को लेकर बीज अधिनियम-1966 बना था, जिसके तहत ये आवश्यक प्रावधान हैं। क्वालिटी के बीज के दावे किए गए मापदंड, कंपनियां यदि पूरे न करें या उगने का प्रतिशत कम हो तो दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। बहरहाल, कुछ दशकों से सार्वजनिक क्षेत्र, विश्वविद्यालय और बीज विकास संस्थानों को हाशिये पर रखकर नियमों को उदार करके निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बना दिया गया। आज 70 प्रतिशत देशी-विदेशी बीज कंपनियां निजी क्षेत्र की बीज मार्केट पर काबिज हो चुकी हैं। 56 प्रतिशत बीज की मार्केट पर मात्र 4 बहुराष्ट्रीय कंपनियों का नियंत्रण है। किसानों को अब इन्हीं कंपनियों के रहमो-करम पर निर्भर रहना पड़ता है। होना तो यह चाहिए था है कि क्वालिटी बीज का शोध, उत्पादन, वितरण सस्ते दामों पर सुलभता से सार्वजनिक व सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से ही किसान को सुनिश्चित किया जाता। लेकिन बीज बिल 2025 लाकर केंद्र सरकार बीज के विषय का अति केंद्रीयकरण करना चाहती है। इस मसौदे में एक राष्ट्रीय कमेटी बनाने का प्रावधान है, जिसमें 5-7 राज्यों के ही प्रतिनिधि होंगे और कोई भी मामला नीतिगत है या नहीं, इस पर केंद्र का निर्णय अंतिम होगा। बिल के प्रस्तावित मसौदे में यदि कोई विदेशी बीज कंपनी अपने देश में ही बीज परीक्षण के ट्रायल करके यदि गुणवत्ता संबंधी स्वयं सत्यापन कर देगी तो वह भी मान्य होगा। ये बहुत घातक प्रावधान है। बीज संबंधी कानूनों का उद्देश्य गुणवत्ता का बीज सस्ते दामों पर किसान को मुहैया करवाने का होता है। इस आशय का आश्वासन ड्राफ्ट में नहीं है। संसद में बताया गया कि 2022 से 2025 के बीच 43001 बीज के नमूने विफल पाए गए। आज जरूरी है कि केंद्र व राज्यों की बीज कमेटियों में कम से कम तीन किसान प्रतिनिधि भी शामिल किये जाएं। बिल मसौदे के चैप्टर 5 के भाग 27 में विदेश के बीजों की वहीं पर दी गई प्रामाणिकता को मंजूरी प्रदान किए जाने के प्रावधान को हटाया जाए। इसमें मूल्य निर्धारण के किसान हितैषी प्रावधान किए जाएं, और जमाखोरी, ब्लैक मार्केटिंग या इजारेदारी पर कड़ी रोक लगाई जाए। स्थानीय स्तर के स्वयं सहायता समूहों और बीज सहकारी समितियों को प्रोत्साहन दिया जाए।

आप का नजरीया

बोह वैली की ट्राऊट

करिश्मे आकाश से नहीं उतरते, धरती पर आकाश खोजने की मशक्कत हैं ये। हिमाचल में प्रगति की नुमाइश में सरकारी धन का अपव्यय कोहराम मचा रहा है, लेकिन कुछ परिंदे विकास का जहान बदल देते हैं। प्रदेश में कई ऐसे उदाहरण हैं जहां पंचायत के प्रधानों ने अगली सदियां खोज लीं। नागरिक समाज ने अपनी आर्थिक हैसियत बता दी। तरक्की का खजाना एक निरंतर प्रयास है, जो सोच की असीमित क्षमता से बाहर आता है। कुछ दशक पूर्व तक लोग बीड़-बिलिंग का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन हैंग ग्लाइडिंग से शुरू हुआ सफर, आज विश्व पैराग्लाइडिंग का भविष्य लिख पा रहा है, तो इसे सियासी चातुर्य का ठिकाना कहना होगा। भले ही किन्हीं और कारणों से सुधीर शर्मा के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द धुंध दिखाई दे, लेकिन बीड़-बिलिंग को आर्थिक सत्ता की मंजिल बनाने में उनके योगदान को सदियां नहीं भूलेंगी। विकास केवल पत्थर नहीं और न ही सीमेंट-सरिए का ढेर, बल्कि अगली सदी को यथार्थ के पटल पर उतारने की प्रतिज्ञा है। कई प्रगतिशील किसानों ने हमारे कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों के बंद कक्षों के बाहर मिसालें पेश की हैं, तो इसलिए कि जज्बा आने वाले वर्षों की खातिर नए प्रयोग कर रहा था। सिरमौर में अगर स्ट्रॉबेरी के गांव उभर आए, तो उन किसानों को नमन। नगरोटा सूरियां के क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट के बागीचे संवर गए, तो प्रगति के इस नवाचार को सलाम। इसी परिप्रेक्ष्य में उम्मीदों के सफर की नई कहानियां उन मंजिलों को तलाश रही हैं, जहां हमारे प्रतिनिधि अपने कार्य की विविधता में जनता को जीना सिखा रहे हैं। ताजा उदाहरण शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया के प्रयत्नों से साकार होता दिखाई दे रहा है। एक विधायक अगर ग्रामीण आर्थिकी के सफर पर नई कसौटियां तय कर रहा है, तो छोटे कदम भी मंजिलों को मजबूत करते हैं। विधायक ने धारकंडी क्षेत्र के पिछड़ेपन में आर्थिक किश्तियां चली दी हैं। बोह वैली की चर्चा अब 'ट्राऊट हब' के रूप में हो रही है, तो इसके पीछे केवल सिंह पठानिया का निजी अनुसंधान, योजनाओं के करीब अपने क्षेत्र का विकास और संभावना के फलक पर आर्थिक पिछड़ेपन को चुनौती देता एहसास रहा। ठंडे पानी और उचित वातावरण में झांकते हुए विधायक ने ट्राऊट फार्मिंग को प्रोत्साहित किया ताकि जनभागीदारी से एक ऐसा संकल्प उभरे कि क्षेत्र की पहचान बदल जाए। ईको फ्रेंडली माहौल में आधारभूत अधोसंरचना, ज्ञान व हस्तक्षेप से आज वहां हैचरी के मार्फत बीज उपलब्ध कराने का अभियान भी शुरू हो चुका है। करीब दो दर्जन तालाबों में ट्राऊट फार्मिंग ने नए सफर की बुलंदी दर्ज की है, तो आने वाले समय में यह क्षेत्र अनुकरणीय उदाहरण बन कर कई अन्य क्षेत्रों को भी सींच सकता है। सबसे बड़ी बात है आर्थिक संभावनाओं की नब्ज को पहचानना। हिमाचल के हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसा बहुत कुछ है कि आर्थिकी का सवेरा हो सकता है। सरकार ने डेयरी को संभावना से तौलने से पहले किसान को दूध का ऐसा समर्थन मूल्य दिया कि अब डोलू भर दूध भी घर की व्यवस्था में कमाने की हिम्मत देता है। लोग नींबू प्रजाति के पेड़ उगा कर वर्ष भर की मेहनत को सफल बना रहे हैं। इसी तरह हर विधानसभा क्षेत्र की मेहनत को विधायक अगर आर्थिक संबल से जोड़ दें, तो यकीनन करिश्मा होगा। पर्यटन की तस्वीर में हर विधानसभा क्षेत्र अगर कम से कम एक पर्यटन गांव चिन्हित कर पाए, तो ग्रामीण पर्यटन हिमाचल की आर्थिकी को नए मुकाम पर ले जाएगा, लेकिन एडीबी फंडिंग के मकबरे सजा कर नीति नियंता ग्रामीण संभावनाओं को पलीता लगा रहे हैं। अगर 68 विधानसभा क्षेत्रों में इतने ही पर्यटन गांवों की तासीर में सभी विभाग योगदान करें, तो कितने ही केरल, कर्नाटक, राजस्थान या गुजरात हिमाचल के गांवों में बस जाएंगे। उदाहरण के लिए सुजानपुर टीहरा को पर्यटक गांव की खास मंजिल बनाएं, तो रात्रि मनोरंजन की धरा पर चौगान स्वयं एक प्रस्तुति बन जाएगा। हिमाचल के कृषि-बागबानी, हस्तशिल्प तथा अन्य उत्पादों को अगर हाईवे स्थित पर्यटन गांवों का हाट बाजार मिल जाए, तो हर मंजिल पर आर्थिकी मुस्कराएगी। विधायक प्राथमिक योजनाएं अगर आर्थिक विकास को चित्रित करें, तो बोह वैली की ट्राऊट की तरह हर क्षेत्र का कोई साधारण उत्पाद भी असाधारण क्षमता धारण कर सकता है। बिलासपुर की कई डेयरी कोआपरेटिव सोसायटियां उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं, लेकिन नम्होल की कामधेनु मिल्क सोसायटी ने अपने प्रयासों से क्षेत्रीय ऊर्जा को खेत से बाजार की वस्तु बना दिया। इसी दृष्टि से अगर 68 विधायक नई आर्थिकी के अवसर खोज कर प्रयोग करें, तो ग्रामीण श्रम से हिमाचल की आर्थिकी का नया चेहरा सशक्त होगा।

प्रदेश में कई ऐसे उदाहरण हैं जहां पंचायत के प्रधानों ने अगली सदियां खोज लीं। नागरिक समाज ने अपनी आर्थिक हैसियत बता दी। तरक्की का खजाना एक निरंतर प्रयास है, जो सोच की असीमित क्षमता से बाहर आता है। कुछ दशक पूर्व तक लोग बीड़-बिलिंग का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन हैंग ग्लाइडिंग से शुरू हुआ सफर, आज विश्व पैराग्लाइडिंग का भविष्य लिख पा रहा है, तो इसे सियासी चातुर्य का ठिकाना कहना होगा। भले ही किन्हीं और कारणों से सुधीर शर्मा के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द धुंध दिखाई दे, लेकिन बीड़-बिलिंग को आर्थिक सत्ता की मंजिल बनाने में उनके योगदान को सदियां नहीं भूलेंगी। विकास केवल पत्थर नहीं और न ही सीमेंट-सरिए का ढेर, बल्कि अगली सदी को यथार्थ के पटल पर उतारने की प्रतिज्ञा है। कई प्रगतिशील किसानों ने हमारे कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों के बंद कक्षों के बाहर मिसालें पेश की हैं, तो इसलिए कि जज्बा आने वाले वर्षों की खातिर नए प्रयोग कर रहा था। सिरमौर में अगर स्ट्रॉबेरी के गांव उभर आए, तो उन किसानों को नमन। नगरोटा सूरियां के क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट के बागीचे संवर गए, तो प्रगति के इस नवाचार को सलाम।

कुछ अलग

जाकी रही वासना जैसी

हे मेरे ताजे ताजे अशुभचिंतको! किसी की टांग खींचने से जीव प्रतिभावान नहीं बनता। अगर तुममें भी ऑरिजिनल प्रतिभा है तो जब तुम्हारी रिटायरमेंट होने को आए, तो जरा महीने दो महीने की भी एक्सटेंशन लेकर बताना। तब पता लगेगा, एक्सटेंशन के लिए कितनी टेंशन लेनी पड़ती है। उस दिन तुम्हें एक्सटेंशन मिलने पर मैं असली फूलों की माला लेकर तुम्हारी प्रतिभा को सलाम करने नाक रगड़ता हुआ आऊंगा दुखी मन से हंसता हुआ नहीं, प्रफुल्लित मन से नाचता हुआ। मित्रो! इस नौकरी में कुछ और पता चला हो या न, पर मुझे इस बात का पता जरूर चल गया कि मुझे मेरी कार्यकुशलता को देख मुझे एक्सटेंशन मिलने पर कल तक जिन जिन सज्जनों को मैं सज्जन मानता रहा, वे सब दुर्जन अपनी दुर्जनता से नहीं, मुझे मिली एक्सटेंशनता से दुखी हैं। हे मुझ जैसी तमाम प्रतिभाओं से एक्सटेंशन मिलने पर कदम कदम जलने वाले तथाकथित भद्रपुरुषो! किसी प्रतिभावान को एक्सटेंशन मिलने पर टेंशन लेना छोड़ उनकी एक्सटेंशन पार्टी में जरा नाचकर देखो तो पगलो! देखना उस वक्त धधकते दिल पर कितने फूल खिलेंगे सर्दियों में भी। अजीब साइकॉलाजि है इस समाज की भी। इस समाज का सब कुछ समझ आया, पर सच कहूं, इस समाज की साइकॉलाजि मेरी समझ में कतई नहीं आई। हे मेरी एक्सटेंशन से जलने वालो! मेरा तो तुमको बस, यही कहना है कि जलो मत, रीस करो। मेरी एक्सटेंशन से सीख ले अपनी एक्सटेंशन का जुगाड़ करो, अपनी एक्सटेंशन की राह सुधार करो। हे मेरे विरोधियो! ऐसा वैसा कुछ नहीं जैसा तुम समझ रहे हो। तुम मानो या न, असल में उन्होंने मेरी प्रतिभा का सम्मान किया है। वे सबकी प्रतिभा का सम्मान करते हैं। बस, उन तक अपनी प्रतिभा पहुंचाना आना चाहिए। हे मुझसे जलने वालो! तुच्छ से तुच्छ कर्मचारी में भी कोई न कोई हिडेन प्रतिभा होती है। पर उसे उसका उसी तरह पता नहीं चलता जिस तरह कस्तूरी मृग को पता नहीं चलता कि कस्तूरी उसकी नाभि में है। पर वह उसे ढूंढने को दर-दर भटकता रहता है। मुझे पता है कि मेरे भीतर कस्तूरी है। मेरे भीतर की उसी कस्तूरी ने ऊपर तक सबको सुवासित आह्लादित किया है। हे मेरे मित्रो! मुझमें प्रतिभा थी तो मुझे एक्सटेंशन मिली। एक्सटेंशन उनको मिलती है जिनको काम हराम होता है। जो कर्मठ नहीं, शठ होते हैं। सॉरी! जिनको आराम हराम होता है। जो शठ नहीं, कर्मठ होते है। मैं आरामी नहीं, कामी आत्मा हूं। शठी नहीं, कर्मठी आत्मा हूं। कामी कर्मठी प्रतिभाओं का सब जगह सम्मान होता है।

दृष्टि कोण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियां

देश की राजधानी नई दिल्ली में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन गरमागरम चर्चा में है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वह प्रौद्योगिकी है जो कंप्यूटर सिस्टम को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाती है जिनके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे सीखना, तर्क करना, समस्या समाधान और निर्णय लेना। आज स्वास्थ्य, वित्त, कृषि से लेकर शासन तक हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। जहां एक ओर यह तकनीक मानव जीवन को बेहतर बनाने की अपार क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह कई गंभीर नैतिक, सामाजिक और कानूनी सवाल भी खड़े करती है जिन पर विचार करना अनिवार्य है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनियाभर में एक क्रांति लाने का काम किया है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के अलावा हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मजबूती के साथ दाखिल हो चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी काम या प्रोसेस को बहुत आसानी से और बेहतर तरीके से किया जा सकता है। अगर हम शिक्षा क्षेत्र का ही उदाहरण लें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कोई भी छात्र किसी भी विषय को आसानी और आधुनिक तरीके से सीख सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कंप्यूटर ऐसे काम करने में सक्षम है जिस काम को करने के लिए अमूमन मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। लेकिन जिस तरह किसी टेक्नोलॉजी के फायदे होते हैं तो वहीं उसके नकारात्मक इस्तेमाल को भी नहीं नकारा जा सकता है। ठीक उसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अगर क्रांति लेकर आया है तो उसके दुष्प्रभाव से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सीखने की जरूरतों और अलग-अलग क्षमताओं वाले छात्रों के लिए पढ़ाई को और आसान बनाया जा सकता है। एक डेटा को अलग-अलग तरीके से और छात्रों के अनुरूप उसे प्रस्तुत करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली जा सकती है। साथ ही विकलांग, सीखने में अंतर या भाषा की बाधाओं जैसी दिक्कतों को भी इसकी मदद से दूर किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पेपर ग्रेडिंग और पाठ योजनाएं बनाने जैसे कार्यों में भी किया जा सकता है, जिससे शिक्षकों का समय अधिक महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में लगेगा। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद किसी एक जानकारी से और अधिक जानकारी निकालने में भी ली जा सकती है। एआई की मदद से नई जानकारियों को आसानी से बनाया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह छात्रों की मानसिक क्षमता और सीखने में बाधा उत्पन्न कर सकती है। छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपने सवालों के जवाब आसानी से ढूंढ सकते हैं। जिससे वो खुद से किसी सवाल के जवाब ढूंढने में पीछे रह सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एआई का उपयोग जवाबदेही, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित कई और चुनौतियों को जन्म देता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कई और नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे कि एआई चैटबॉट काफी कम समय में आपको किसी टॉपिक के बारे में लंबी-चौड़ी डिटेल बता देते हैं। इनसानों के मुकाबले इस काम में एआई की स्पीड बहुत तेज होती है। एआई का यह फीचर दुनियाभर में चल रही फेक न्यूज, गलत जानकारी जैसे मामलों में खतरनाक हो सकता है। हैकर्स इसका फायदा उठाकर गलत जानकारी फैला सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पड़ेगा। इसके अलावा कुछ एआई प्लेटफॉर्म फोटो और वीडियो भी जनरेट कर सकते हैं। फेक न्यूज फैलाने के लिए इनका काफी शातिर तरीके से इस्तेमाल हो सकता है। एआई की वजह से जो अगली समस्या आएगी, वो है बेरोजगारी।

कैबिनेट की बैठक : दो से अधिक संतान वाले भी लड़ सकेंगे पंचायतीराज और नगरपालिका चुनाव

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा सचिवालय में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने, राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कैबिनेट बैठक के बाद विधानसभा में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-19 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा-24 में संशोधन कर राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। इससे जिन व्यक्तियों के दो से अधिक संतान हैं वे पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरपालिकाओं के चुनाव लड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि दो से अधिक संतान पर चुनाव लड़ने का प्रतिबंध उस समय लागू किया गया था, जब जनसंख्या विस्फोट पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता थी। पटेल ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय की अनुपालना में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 24 में संशोधन कर धारा 2 को संशोधित करते हुए शब्द कुष्ठ रोग को खतरनाक रोग की श्रेणी से हटाया गया है। जिससे नगरपालिका के आगामी चुनाव में सभी व्यक्तियों को चुनाव लड़ने का समान अवसर मिल सकेगा और कुष्ठ रोगियों का सम्मान भी सुनिश्चित हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि आर्थिक अपराधों पर प्रभावी रोकथाम तथा वित्तीय अनुशासन के लिए राज्य राजस्व आसूचना निदेशालय को समाप्त कर राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन का निर्णय मंत्रिमंडल में किया गया। उन्होंने बताया कि इससे रियल एस्टेट में धोखाधड़ी, बैंक-बीमा-एनबीएफसी एवं शेयर बाजार से जुड़े वित्तीय अपराध, मल्टी लेवल मार्केटिंग ठगी, झूठा दिवालियापन, फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी तथा फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से नौकरी या प्रवेश से संबंधित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई हो सकेगी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने बताया औद्योगिक विकास को नई गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति, 2026 लाई जाएगी। इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए मॉडल-ए (पूर्णत: रीको द्वारा आवंटित भूमि पर विकास), मॉडल-बी (80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा अधिग्रहण एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर), मॉडल-सी (संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था) तथा मॉडल-डी (पीपीपी मॉडल) निर्धारित किए हैं। कर्नल राठौड़ ने बताया कि मैसर्स ग्रोथ उंड्स्टरीयल मिनरल्स प्रा. लि. को ग्राम रामल्यावार्स, तहसील नीमकाथाना में औद्योगिक प्रयोजन के लिए 53 हैक्टेयर की भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के प्रावधानों के अंतर्गत आवंटित करने का निर्णय लिया गया है। कंपनी द्वारा करीब 500 करोड़ रुपए के निवेश से इस जमीन पर आधुनिक तकनीक आधारित बेनिफिकेशन एवं पेलेट प्लांट की स्थापना कर लगभग 565 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल की 23 अगस्त 2025 को आयोजित बैठक में टोंक रोड, बी2 बाईपास, जयपुर स्थित रीको की भूमि पर 3 हजार 55 करोड़ रुपए की लागत से राजस्थान मंडपम, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर एवं अन्य विकास कार्यों के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी। इस प्रस्ताव के अंतर्गत 635 करोड़ रुपए की राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जानी थी। मंत्रिमंडल की बैठक में आज संशोधित वित्तीय मॉडल का अनुमोदन किया गया। जिसके अंतर्गत परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 5 हजार 815 करोड़ रुपए तथा अनुमानित राजस्व प्राप्ति 5 हजार 825 करोड़ रुपए है। डॉ. बैरवा ने बताया कि प्रदेश में भारतीय चिकित्सा पद्धति की अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए दि राजस्थान आयुर्वेद, योग एंड नेचुरोपैथी यूनिवर्सिटी, अजमेर विधेयक, 2026 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राज्य सरकार की आयुष नीति के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा सकेगा।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर किया अर्धनग्न प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर पर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। साथ ही 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई के शहर जिलाध्यक्ष डॉ. बबलू सोलंकी ने बताया कि दिल्ली में प्रदर्शन करने पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, जो कि गलत है। शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना सभी नागरिकों का अधिकार है। प्रदर्शनकारियों ने उदय भानु की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उनकी शीघ्र रिहाई की मांग की। सोलंकी ने कहा कि यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी का विरोध नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं के भविष्य और पारदर्शी भर्ती प्रणाली की लड़ाई है। प्रदर्शन में एनएसयूआई राष्ट्रीय सचिव दिलीप चौधरी, जिला अध्यक्ष डॉ. बबलू सोलंकी, प्रदेश महासचिव जितेन्द्र कड़े, छात्रनेता एम एल चौधरी, जितेंद्र, झुंझार चौधरी, जितेश्वर चौधरी, राकेश खोजा, मोहित दाधीच, इरशाद खान दौलतपुरा, हेमराज सोलंकी, राजवीर पटेल, राजू चौहान, राहुल मेघवाल, महिपाल कछवाहा, तरुण चौधरी, दीपक बिश्नोई सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

महिलाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीण परिवारों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ने की आवश्यकता : डॉ. वंदना बिश्नोई

मुकलान में गुजवि की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

हिसार (हिंस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. वंदना बिश्नोई ने कहा है कि डिजिटल जागरूकता केवल तकनीकी दक्षता नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है। जब युवा शक्ति सेवाभाव, अनुशासन और नवाचार के साथ ग्राम समाज से जुड़ती है, तब अभिनव भारत की परिकल्पना साकार होती है। डॉ. वंदना बिश्नोई बुधवार को गुजविप्रौवि की राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना इकाई के सौजन्य से ग्राम मुकलान में आयोजित विशेष ग्रामीण शिविर के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रही थी। मुख्य वक्ता के रूप में कुलपति के सलाहकार प्रो. संदीप राणा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुजाता सिंह सांघी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुकलान के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह दुहन तथा ग्राम सरपंच राजेश मंचासीन रहे। अध्यक्षता एसएसएस इकाई की संयोजक डॉ. अंजू गुप्ता ने की। डॉ. बिश्नोई ने विशेष रूप से महिलाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीण परिवारों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि डिजिटल साक्षरता आत्मनिर्भरता की आधारशिला है। तकनीक का उपयोग यदि नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ किया जाए तो यह शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता और शासन प्रशासन तक सहज पहुंच सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों की सक्रियता, रचनात्मकता और अनुशासन की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बताया। प्रो. संदीप राणा ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा जनसंख्या है। युवाओं की ऊर्जा सही दिशा में प्रयोग करके ही राष्ट्र को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुजाता सिंह सांघी ने अपने प्रेरक उद्‌बोधन में युवाओं को डिजिटल शिक्षा, समन्वय कौशल और सामाजिक नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का युवा यदि तकनीकी दक्षता को मानवीय मूल्यों से जोड़े, तो वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बन सकता है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह दुहन ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम समन्वयक डॉ अंजु गुप्ता ने स्वागत संबोधन देते हुए बताया कि आज का युवा केवल रोजगार प्राप्त करने वाला नहीं बल्कि अवसर सृजित करने वाला बनना चाहिए। स्वयंसेवकों द्वारा *वेस्ट फॉर बेस्ट* मॉडल प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. खुशबू सेठी ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामस्वरूप द्वारा शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

प्रचंड बहुमत से 2027 में भी खिलेगा कमल : स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का बुधवार को प्रयागराज आगमन हुआ। संगठन के द्वारा निर्धारित कोर कमेटी की बैठक में शामिल हुए और संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने एस आई आर अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों से ली। भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि बैठक के उपरांत प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से भेंट किया और होली की अग्रिम शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एस आई आर अभियान का कार्य जब तक पूर्ण न हो जाए तब तक विश्राम नहीं करना है। 2027 का विधान का चुनाव अब ज्यादा दिन दूर नहीं है और हमारा सिर्फ एक लक्ष्य होना चाहिए कमल, कमल सिर्फ कमल खिलाना। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच में जाना है और चर्चा करते रहना है। उन्होंने कहा कि 2017 और 2022 की तरह 2027 में भी प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा और अखिलेश यादव का सत्ता प्राप्त करने का सपना मुंगेरीलाल के जैसा होगा। प्रभारी मंत्री ने एआई समिट के दौरान कांग्रेस के द्वारा किए गए अर्धनग्न प्रदर्शन को लेकर कहा कि एआई समिट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अपने कपड़े उतारकर किया गया निहायत ही घटिया विरोध प्रदर्शन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ कतई नहीं था। दरअसल, यह प्रदर्शन अपनी कांग्रेस की हालत बताने के लिए था, कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी ने उनकी पार्टी (कांग्रेस) को कहां से कहां पहुंचा दिया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन वाजपेई, दीपक पटेल, राजमणि कोल, पियूष रंजन निषाद, गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, विजय श्रीवास्तव, अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की रनिंग ट्रायल हुई शुरू

जींद (हिंस)। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की रनिंग ट्रायल बुधवार को शुरू हुई। अल सुबह ही यार्ड से ट्रेन को बाहर निकाला गया। डीजल इंजन की सहायता से पहले ट्रेन को हांसी रोड पुल के नीचे तक लाया गया। वहां ट्रेन थोड़ी देर रूकी रही। इसके बाद ट्रेन को वापस जंक्शन पर लाया गया। वहां से सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर ट्रेन सोनीपत की ओर रवाना हुई। रास्ते में ट्रायल के दौरान डीजल इंजन को ट्रेन से अलग किया जाएगा और हाइड्रोजन गैस पर ट्रेन को चलाकर देखा जाएगा। ट्रेन में हाइड्रोजन गैस थोड़ी मात्रा में है। जरूरत पडने़ पर ट्रेन को दोबारा से डीजल इंजन के साथ जोड़ा जा सकता है। शुरुआत में जींद से पिंडारा और फिर भम्भेवा स्टेशन तक ले जाया जाएगा। रेलवे विभाग की तकनीकी टीम सुबह से ही तैयारियों में जुटी हुई थी। ट्रायल के दौरान इंजन की गति, ब्रेकिंग सिस्टम, ईंधन खपत और सुरक्षा मानकों का बारीकी से निरीक्षण किया जाएगा। ट्रायल के दौरान ट्रैक की स्थिति, सिग्नलिंग सिस्टम और इंजन के प्रदर्शन पर विशेष नजर रखी जाएगी।

जोधपुर में निजी बसों का चक्काजाम दूसरे दिन भी जारी, रोडवेज बसों में उमड़ी भीड़

जोधपुर (हिंस)। परिवहन विभाग की ओर से बसों के खिलाफ निरंतर चालान की कार्रवाई करने से गुस्साए नेशनल परमिट के बस संचालकों ने बुधवार को भी दूसरे दिन हड़ताल जारी रखी। आज भी जोधपुर से अन्य राज्यों और दूरस्थ जिलों के लिए चलने वाली बसों का संचालन नहीं हुआ। इधर निजी बसों की हड़ताल से रोडवेज बसों में भीड़ बढ़ गई है। निजी बसों के यात्री अब रोडवेज बसों में सफर कर रहे है। रोडवेज ने भी अपनी सभी 105 बसों का संचालन कर यात्रियों को राहत दी। दरअसल प्रदेश में नेशनल परमिट की करीब बीस हजार बसें हैं। दो हजार बसें जोधपुर में रजिस्टर्ड हैं। अधिकांश बसों के आरटीओ की ओर से चालान किए जाने से बस संचालकों ने आपत्ति जताई है। इसी को लेकर ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट बस ऑनर एसोसिएशन जोधपुर ने भी प्रदेशव्यापी अनिश्चतकालीन हड़ताल में समर्थन देते हुए बसों का संचालन नहीं करने का निर्णय किया है। मंगलवार को जो बसें जोधपुर पहुंचीं, वे पुन: गंतव्य स्थल के लिए नहीं चलीं और सभी टूरिस्ट बस कार्यालयों पर ताले लगे रहे। ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट बस ऑनर एसोसिएशन सचिव भंवरलाल सियाग व सलाहकार मनीष जैन का कहना है कि जब तक सरकार मांगों को नहीं मानेगी, अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर प्रशासनिक महकमा मुस्तैद, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

अररिया (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिनों के सीमांचल दौरे के क्रम में गुरुवार को अररिया आ रहे हैं। जहां वे किशनगंज से 10-45 बजे हेलीपैड से प्रस्थान कर अररिया के सिकटी लेटी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सीमा चौकी पहुंचेंगे। 11-15 बजे विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण करेंगे। वहीं, गृह मंत्री का लेटी से अररिया समाहरणालय 12-50 बजे आगमन है। गृह मंत्री समाहरणालय के परमान सभागार में 1.30 बजे सीमा से लगने वाले जिलों के डीएम और एसपी के साथ बैठक करेंगे। दोपहर 3-45 बजे वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम कार्यान्वयन के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। शाम 5.05 बजे अररिया हेलीपैड से पूर्णिया के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां मेफेयर होटल में उनके विश्राम का कार्यक्रम है। केंद्रीय गृहमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी (डीएम) विनोद दूहन और पुलिस अधीक्षक (एसपी) जितेन्द्र कुमार लगातार कार्यक्रम को लेकर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सिकटी के लेटी स्थित एसएसबी शिविर परिसर में व्यापक तैयारियों की उच्चस्तरीय बैठक कर समीक्षा की जा रही है। बैठक में दौरे की रूपरेखा, सुरक्षा प्रबंध, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन सेवाएं तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों को लेकर फीडबैक लिया गया। विशेष सुरक्षा दल द्वारा प्रस्तावित हेलीपैड स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। गृह मंत्री के दौरे को लेकर एसएसबी के सीमांत मुख्यालय पटना के महानिरीक्षक निशिद कुमार उज्जवल एवं क्षेत्रीय मुख्यालय पूर्णिया के उपमहानिरीक्षक राजेश टिक्कू ने लेटी शिविर सहित विभिन्न सीमा चौकियों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में गश्ती बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल की तैनाती के निर्देश दिए। जिला स्तर पर भी सभी पदाधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। सड़क संपर्क मार्गों की मरम्मत, जांच चौकियों की सक्रियता, आवागमन नियंत्रण तथा आपातकालीन चिकित्सा व अग्निशमन सेवाओं की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गृह मंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए पहाड़ा चौक, कासत बाजार, सीमा सड़क स्थित लेटी मोड़ तथा हेलीपैड के समीप बांस से बैरिकेडिंग की जा रही है। प्रमुख मार्गों पर आवागमन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही संवेदनशील स्थलों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। धिकारियों ने सुरक्षा बलों को पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभाने का निर्देश दिया है। विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि दौरे के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। शासन के अनुसार, यह दौरा सीमांचल क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास योजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सभी संबंधित विभागों को अलर्ट पर रखते हुए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

स्कीम योजना में 58.81 करोड़ की जमीन दिखाकर प्रोपर्टी डीलर से एक करोड़ का फ्रॉड

जोधपुर (हिंस)। शहर के एक प्रोपर्टी कारोबारी से एक करोड़ का फ्रॉड होने का प्रकरण पुलिस में दर्ज हुआ है। आरोपित ने उसे जयपुर के फुलेरा रोड पर 70 हजार वर्गमीटर जमीन दिलाने का झांसा दिया। 50 लाख कैश लिए बाकी रकम चेक से दी गई। पीड़ित कारोबारी को ना तो जमीन मिली और ना ही दी गई रकम वापिस लौटाई गई। अब बनाड़ थाने में इसकी रिपोर्ट दी गई है। बनाड़ थाने के एएसआई बींजाराम ने बताया कि सारण नगर ए रोड बनाड़ निवासी दिनेश पुत्र दयाल जाट की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह प्रोपर्टी का काम करता है। गत 17 दिसंबर को उसकी मुलाकात जयपुर के राजेंद्र बजाज से हुई थी। जिनसे फुलेरा रोड पर स्कीम योजना की जमीन को दिखाया था जोकि 58 करोड़ 81 लाख की थी। यह जमीन तकरीबन 70 हजार वर्गमीटर में थी। एएसआई बींजाराम ने बताया कि प्रोपर्टी कारोबारी दिनेश जाट में इस जमीन के लिए पहले आरोपित को 50 लाख रुपए कैश दिए फिर 50 लाख चैक के मार्फत प्रदान किए। मगर दो महिनों के बाद भी उसे ना तो जमीन दी गई और ना ही दी गई रकम को वापिस लौटाया। अब धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कराया गया है। अग्रिम जांच की जा रही है।

मुस्लिम महासंघ ने बैठक कर सलमान खुर्शीद को राज्य सभा भेजने की उठाई मांग

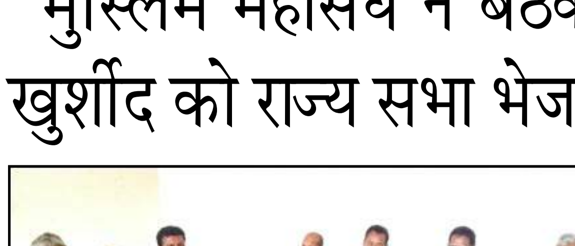

फर्रुखाबाद (हिंस)। अखिल भारतीय मुस्लिम महासंघ ने पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद को राज्य सभा भेजे जाने की पैरवी की है। कोई महत्वपूर्ण पद न होने के कारण सलमान खुर्शीद पार्टी के हासिएं पर चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने उनके गृह जनपद फर्रुखाबाद में भी उनका कोई जनाधार नहीं बचा है। श्री खुर्शीद के खास समर्थक उनको सक्रिय राजनीति में फिर से देखना चाहते हैं। इसी क्रम में बुधवार को अखिल भारतीय मुस्लिम महासंघ की एक आवश्यक बैठक की। संगठन के उपाध्यक्ष मोहल्ला सिविल लाइन फतेहगढ़ निवासी बाबर खान के आवास पर हुई बैठक में सलमान खुर्शीद को लेकर एक स्वर में आवाज उठाई गई। बैठक में हाजी वसीम मुजम्मा खान ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे से सलमान खुर्शीद को राज्यसभा का प्रत्याशी घोषित किए जाने की मांग की। इंजीनियर इलियास खान, अखिल भारतीय मुस्लिम मौलाना के नेता रिजवान अहमद ताज आदि लोगों ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से अपील की, कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद को इस बार विदेश से बुलाया जाए। वे राज्यसभा में अल्पसंख्यक, ओबीसी, एसटी, एससी तबके की मुखर तरीके से सत्ता पक्ष के सामने अपनी बात पूरी दमदारी से रखने की काबलियत रखते हैं, ऐसे नेता का राज्यसभा में होना जरूरी है। इस संबंध में महासंघ ने एक पत्र कांग्रेस पार्टी को भेजने की जानकारी भी दी। मुस्लिम महासंघ को आशा है अति शीघ्र कांग्रेस पार्टी सलमान खुर्शीद के नाम का ऐलान करेगी। बैठक की अध्यक्षता हाजी मोहसिन शम्सी एडवोकेट ने की एवं संचालन तारीख बशीर ने किया।

भीलवाड़ा में इतिहास रच गई संत दर्शन शोभायात्रा

भीलवाड़ा (हिंस)। धरती पर जब-जब धर्म की ध्वजा फहरती है, तब इतिहास स्वयं साक्षी बनता है और बुधवार को भीलवाड़ा ने वही गौरवशाली क्षण जिया। हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह के अंतर्गत निकली संत दर्शन एवं सनातन शोभायात्रा ने पूरे नगर को राममय, शिवमय और सनातनमय बना दिया। चारों ओर भगवा पताकाएं लहराईं, जयघोष गूंजे और श्रद्धा का ऐसा महासागर उमड़ा कि भीलवाड़ा सचमुच *आज की अयोध्या* बन गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक था, बल्कि यह सनातन चेतना की ऐतिहासिक हुंकार थी। हजारों सनातनी भाई-बहन, बालक-बालिकाएं, माताएं-बहनें पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा में सम्मिलित हुए और नाचते-गाते हुए दीक्षार्थी इन्द्रदेव, सिद्धार्थ एवं कुनाल को मंगलकामनाएं अर्पित कीं। दीक्षार्थियों की नगर परिक्रमा का यह विराट दृश्य भीलवाड़ा के इतिहास में पहली बार देखने को मिला, जिसने शहर को आध्यात्मिक गौरव से भर दिया। यह आयोजन देश में अपनी तरह का पहला उदाहरण बनेगा। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन से भीलवाड़ा ने यह सिद्ध कर दिया कि जब आस्था जागती है, जब संतों का सान्निध्य मिलता है और जब जन-जन साथ चलता है, तब शहर नहीं संस्कृति चलती है, इतिहास बनता है। बुधवार प्रात: अयोध्यानगर (दूधाधारी मंदिर) से जब शोभायात्रा निकली, तब मानो प्रभात सूर्य भी इस दिव्य यात्रा को नमन कर रहा था। संत-महापुरुषों के सान्निध्य में प्रभात फेरी मंडलियां, ढोल-नगाड़े, शंख-नाद और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा आगे बढ़ी। नगर परिक्रमा करते हुए यह शोभायात्रा अपरान्ह में हरि शेवा धाम पहुंची। रास्ते भर पुष्पवर्षा हुई, तोरणद्वार सजे और घर-घर से आरती उतारी गई। उदासीन कार्ष्णि पीठाधीश्वर गुरूशरणानंद महाराज रमणरेती गोकुल वन मथुरा सहित देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों संतों के दर्शन से शहर धन्य हो उठा। शोभायात्रा में सांसद दामोदर अग्रवाल, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के पदाधिकारी तथा देश-विदेश से आए हरि शेवा धाम के अनुयायी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शोभायात्रा की विशेष पहचान बनी नासिक, जम्मू और उड़ीसा की ढोल टीमों की दमदार प्रस्तुति, शिव बारात की दिव्य झांकी और उज्जैन से आई महाकाल की टीम के रोमांचक करतब। हर चौराहे पर तालियों की गढ़गड़ाहट और *बम-बम भोले* के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। भगवा ध्वजों से सजी सड़कें और भक्ति गीतों पर झूमते श्रद्धालु यह दृश्य लोगों के मन-मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ गया। शहर के बालक बालिकाओं के अखाड़ों के प्रदर्शन ने भी मनमोह लिया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने कहा कि दीक्षार्थियों की नगर परिक्रमा को लेकर भीलवाड़ा में जो उत्साह देखने को मिला, वह अभूतपूर्व है। हर गली, हर चौराहा, हर द्वार सनातन स्वागत में सज गया। लोग एक-दूसरे को गले लगाकर बधाइयां दे रहे थे और पूरा नगर सनातन एकता का जीवंत उदाहरण बन गया। उन्होंने बताया कि 26 फरवरी गुरुवार को प्रात: 9 बजे से हरि शेवा आश्रम परिसर में भव्य दीक्षा दान समारोह आयोजित होगा। दोपहर 1 बजे से *एक संगत एक पंगत एक भाषा एक भूषा* के भाव के साथ विशाल समष्टि भंडारे का आयोजन अग्रवाल उत्सव भवन में किया जाएगा।

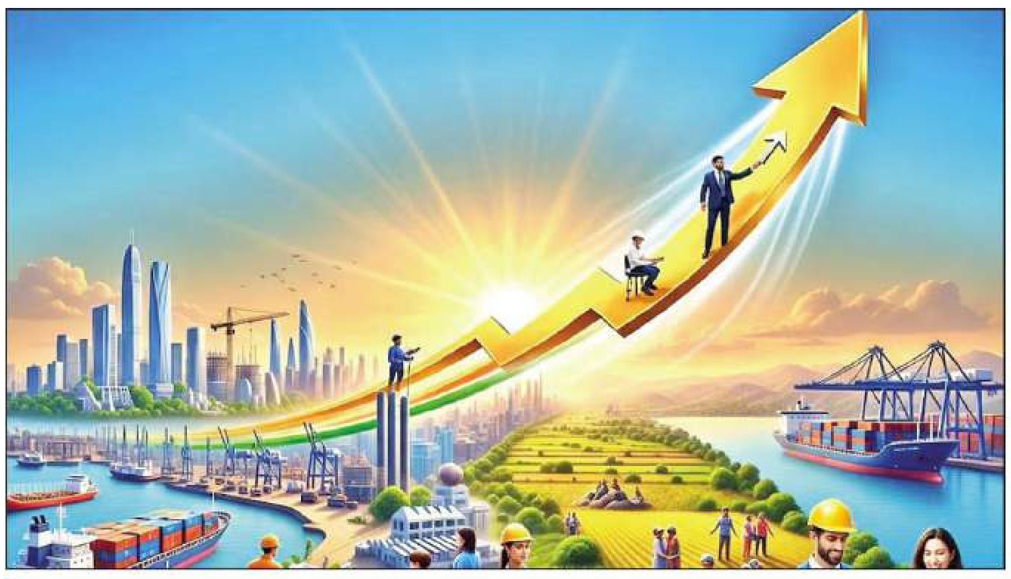

एशिया बन रहा वैश्विक आर्थिक वृद्धि का नया केंद्र, भारत और चीन सबसे आगे : रिपोर्ट

2026 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि 3.3 फीसदी और 2027 में 3.2 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई

जनवरी 2026 में इंटरनेशनल मोंटेसरी फंड (आईएमएफ) द्वारा जारी ग्लोबल इकोनामिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक आर्थिक वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान चीन का है, जो 26.6 फीसदी रहा। भारत 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों देशों का संयुक्त योगदान 43.6 फीसदी तक पहुंच गया है। इसके बाद अमेरिका 9.9 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य देशों में इंडोनेशिया (3.8 फीसदी), तुर्की (2.2 फीसदी), सऊदी अरब (1.7 फीसदी), वियतनाम (1.6 फीसदी), नाइजीरिया (1.5 फीसदी) और ब्राजील (1.5 फीसदी) शामिल हैं। जर्मनी का योगदान सबसे कम, केवल 0.9 फीसदी रहा। रिपोर्ट में 2026 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि 3.3 फीसदी और 2027 में 3.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। इस वृद्धि के लिए तकनीकी निवेश, वित्तीय सहायता और अनुकूल मौद्रिक नीतियां महत्वपूर्ण मानी गई हैं।

आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि राजनीतिक तनाव, व्यापार विवाद, बढ़ता कर्ज और राजकोषीय घाटा वैश्विक विकास पर दबाव डाल सकते हैं। मेरिका में मुद्रास्फीति धीरे-धीरे लक्ष्य स्तर की ओर लौट रही है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक महंगाई में भी नरमी आने की संभावना है। यह संकेत देता है कि सही आर्थिक नीतियों के माध्यम से स्थिरता बनाए रखना संभव है। रिपोर्ट को एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, पावर बैलेंस शिफ्ट हो रहा है। मस्क ने शीर्ष 10 देशों की सूची साझा की, जिसमें चीन और भारत सबसे आगे हैं। हाल के महीनों में मस्क ने पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की, जो भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को रेखांकित करती है। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक केंद्र अब पश्चिमी देशों से हटकर एशिया और ग्लोबल साउथ की ओर बढ़ रहे हैं। भारत की तेज विकास दर, बड़ी युवा आबादी और बढ़ते निवेश इसे मजबूत आधार दे रहे हैं, जबकि चीन अपनी विशाल अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक वृद्धि में बड़ा योगदान दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कावासाकी निंजा 650 पर फरवरी में ही मिलेगा कैशबैक का लाभ

नई दिल्ली। लोकप्रिय मिडिलवेट बाइक कावासाकी निंजा 650 पर 27,000 रुपये का कैशबैक आफर बढ़ा दिया है। यह जबर्दस्त आफर 28 फरवरी 2026 तक वैध रहेगा। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत पहले 7.91 लाख रुपये थी, लेकिन डिस्काउंट के बाद इसकी प्रभावी कीमत घटकर करीब 7.64 लाख रुपये रह जाती है। यह वाउचर सीधे एक्स-शोरूम प्राइस पर रिडीम किया जा सकता है, जिससे खरीदारों को वास्तविक रूप से फायदा मिलता है। कंपनी ने यह डिस्काउंट इसलिए पेश किया है क्योंकि हाल ही में निंजा 650 का 2026 माडल लान्च किया गया है, और पुराने स्टाक को क्लियर करने की रणनीति के तहत यह आफर जारी है। ऐसे में ग्राहकों को कम कीमत में एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सुनहरा मौका मिल रहा है। निंजा 650 में 649सीसी का पैरलल-ट्विन इंजन मिलता है, जो 67 बीएचपी की पावर और 64 एनएम का टार्क जनरेट करता है। इसके साथ 6-स्पीड गियरबाक्स दिया गया है। यह इंजन स्मूदनेस, विश्वसनीयता और हाईवे पर स्थिर परफार्मेंस के लिए जाना जाता है, जिससे यह शहर और हाईवे दोनों परिस्थितियों में बेहतरीन राइडिंग अनुभव प्रदान करता है। यह बाइक उन राइडर्स के लिए उपयुक्त है जो 600सीसीसेगमेंट में कदम रखना चाहते हैं और स्पोर्टी लुक के साथ कम्फर्ट का संतुलन भी चाहते हैं। ट्रैक राइडिंग और टूरिंग दोनों का मजा लेने वालों के लिए यह एक मजबूत विकल्प है।

जीडीपी माप का तरीका बदलेगा, 27 फरवरी को आएंगे तीसरी तिमाही के आंकड़े

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े 27 फरवरी को जारी किए जाएंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय अब नई सीरीज के आधार पर जीडीपी का आंकड़े जारी करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि केंद्र सरकार 27 फरवरी से जीडीपी गणना का नया तरीका लागू कर रही है। केंद्र सरकार ने बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है, जिसके तहत जीडीपी के आंकड़े जारी होंगे। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई के बाद जीडीपी आंकड़े के लिए बेस ईयर 2022-23 होगा, जिसमें सटीकता के लिए डबल डिफ्लेशन और 500-600 आइटम्स का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान 27 फरवरी को जारी कर सकता है। इनमें नए आंकड़े और संशोधन शामिल होंगे। इसलिए पहले और दूसरी तिमाही के सभी पुराने आंकड़े भी नए आधार वर्ष 2022-23 के अनुसार बदल सकते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वास्तविक जीडीपी में 7.4 फीसदी की वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी थी।

चांदी की कीमतों में 6600 रुपये का उछाल, सोना 1.61 लाख रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। एमसीक्स पर चांदी की कीमत 3764 रुपये गिरकर 2.61 लाख रुपये पर आ गई। वहीं सोना 1590 रुपये की गिरावट के साथ 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी का हाल अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। स्पाट गोल्ड करीब 0.48प्रतिशत बढ़कर 5,202 डालर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि स्पाट सिल्वर लगभग 0.96प्रतिशत चढ़कर 88.25 डालर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले दोनों कीमती धातुओं ने मंगलवार को अपनी चार दिन की तेजी का सिलसिला तोड़ते हुए करीब 1.6प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की थी। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। बोस्टन फेड की अध्यक्ष सुसान कालिन्स ने संकेत दिया है कि मजबूत श्रम बाजार के चलते फेड कुछ समय तक ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। जनवरी की फेड बैठक के मिनट्स में भी यह सामने आया कि अधिकारी दरों में कटौती को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं।

मनी मार्केट फंड : 6 से 12 महीने के निवेशकों का भरोसेमंद साथी

ठीकठाक रिटर्न, तेज वृद्धि नहीं, स्थिर आय और पूंजी सुरक्षा, छोटी अवधि में आसानी से निवेश

नई दिल्ली

जिन निवेशकों को अपने पैसों की पूंजी सुरक्षा और ठीकठाक आय चाहिए, उनके लिए मनी मार्केट फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। पिछले एक साल में इन फंडों ने निवेशकों को लगभग 6.97 फीसदी रिटर्न दिया है। मनी मार्केट फंड उन योजनाओं में निवेश करते हैं जो मुद्रा बाजार में एक साल से कम अवधि में परिपक्व होती हैं यानी निवेशकों को जल्दी लिक्विडिटी मिलती है। श्रीराम एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक सीनियर फंड मैनेजर के अनुसार मनी मार्केट फंड कम अवधि वाले डेट फंड हैं, जो जोखिम कम रखते हुए निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं। ये फंड उन निवेशकों के लिए हैं, जो अपने अतिरिक्त पैसे को कुछ हफ्तों से कुछ महीनों तक निवेश करना चाहते हैं और तेज वृद्धि से ज्यादा पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न को प्राथमिकता देते हैं।

एसोसिएशन आफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़े बताते हैं कि 31 जनवरी 2025 तक मनी मार्केट फंड दूसरी सबसे बड़ी डेट फंड श्रेणी बन चुके थे, और इनके पास लगभग 3.32 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इस श्रेणी में केवल लिक्विड फंड आगे हैं, जिनके पास 5.37 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति थी। मनी मार्केट फंड आमतौर पर कमर्शल पेपर, सर्टिफिकेट आफ डिपाजिट और सरकारी बान्ड में निवेश करते हैं। निवेश औसतन 3 से 9 महीने में परिपक्व होता है और पोर्टफोलियो में विभिन्न योजनाएं होती हैं। एडलवाइज म्युचुअल फंड के एक प्रमुख निवेश अधिकारी बताते हैं कि 6-9 महीने की औसत परिपक्वता वाले मनी मार्केट फंड पर वर्तमान में सालाना 7.2-7.5 फीसदी रिटर्न मिल सकता है। यह ओवरनाइट फंड की तुलना में लगभग 200 आधार अंक ज्यादा है। कम से कम तीन महीने के लिए निवेश करने वालों के लिए यह बहुत अच्छा विकल्प है।

जानकारों का कहना है कि रीपो रेट के मुकाबले अधिक रिटर्न होने के कारण निवेशकों को मनी मार्केट फंड से आकर्षक लाभ मिलते हैं। मनी मार्केट फंड कम अवधि वाले निवेश करते हैं, इसलिए इन पर ब्याज दर का उतना असर नहीं पड़ता जितना लंबी अवधि वाले डेट फंड पर पड़ता है। कम मियाद वाली योजनाओं में निवेश होने के कारण ब्याज दर का जोखिम भी कम होता है। इसलिए ये फंड उन निवेशकों और कंपनियों के लिए उपयुक्त हैं, जो थोड़े समय के लिए नकदी निवेश करना चाहते हैं। हालांकि मनी मार्केट फंड अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं, लेकिन ये पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं हैं। ये फंड बाजार से जुड़े होते हैं और रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती। इनमें ब्याज दर, लिक्विडिटी और क्रेडिट का जोखिम होता है। कभी-कभी फंड मैनेजर को कम रिटर्न वाले निवेश करना पड़ता है, जिससे भविष्य में रिटर्न घट सकता है। मनी मार्केट के विशेषज्ञ कहते हैं कि डीफाल्ट का खतरा हमेशा रहता है, लेकिन फंड कंपनियां आमतौर पर अच्छे पोर्टफोलियो का प्रबंधन करती हैं और इनसे अन्य डेट फंड की तुलना में कम जोखिम के साथ संतोषजनक रिटर्न मिलते हैं। उनके मुताबिक मनी मार्केट फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो पूंजी की सुरक्षा और लिक्विडिटी चाहते हैं, 3-12 महीने के लिए निवेश करना चाहते हैं और कम जोखिम झेलने और स्थिर रिटर्न स्वीकार करने वाले हैं। निवेशकों को फंड की परिपक्वता अवधि के अनुसार निवेश करना चाहिए और कम एक्सपेंस रेश्यो वाले फंड को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एयरटेल ने डिजिटल एनबीएफसी प्लेटफार्म के लिए 20,000 करोड़ के निवेश का किया ऐलान; बैंकिंग क्षेत्र में मचेगी हलचल

नई दिल्ली। देश की प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इकाई एयरटेल मनी लिमिटेड के माध्यम से भारत के डिजिटल वित्तीय बाजार में एक ऐतिहासिक निवेश की घोषणा की है। कंपनी अगले कुछ वर्षों में इस इकाई को 20,000 करोड़ रुपये की विशाल पूंजी से सशक्त करेगी। इस निवेश में भारती एयरटेल 70 प्रतिशत और प्रमोटर समूह की कंपनी भारती एंटरप्राइजेज लिमिटेड 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाएगी। यह कदम एयरटेल को भारत के सबसे बड़े और भरोसेमंद डिजिटल वित्तीय प्लेटफार्म के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। एयरटेल ने पिछले दो वर्षों में अपने डिजिटल प्लेटफार्म और एकीकृत चैनलों के माध्यम से एक उच्च क्षमता वाला क्रेडिट इंजन विकसित किया है। कंपनी के पास 500 से अधिक डेटा वैज्ञानिकों द्वारा संचालित एक व्यापक डेटा एनालिटिक्स इंजन है, जो ऋण वितरण की प्रक्रिया को आसान, सुरक्षित और पारदर्शी बनाएगा। वर्तमान में एयरटेल का लेंडिंग सर्विस प्रोवाइडर (एसएसपी) माडल पहले ही 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित कर चुका है। सख्त जोखिम निगरानी और रियल-टाइम डेटा प्रबंधन के कारण कंपनी का एनपीए (लोन न चुकाने की दर) उद्योग के न्यूनतम मानकों पर नियंत्रित रहा है।

2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा का डिजाइन फाइनल

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में 2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा जल्द ही कदम रखने वाली है। हाल ही में पहली बार बिना कैमोफ्लाज के इसकी तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे साफ हो गया है कि मिड-साइकिल फेसलिफ्ट का डिजाइन लगभग फाइनल हो चुका है। एक्सटीरियर में बड़े बदलाव न होते हुए भी कुछ कास्मेटिक अपडेट इसे मौजूदा माडल से ज्यादा प्रीमियम और आक्रामक बनाते हैं।

स्पाई शाट्स में रिवाइज्ड फ्रंट बंपर, नया ग्रिल, अपडेटेड अलाय व्हील्स, पतली साइड क्लैडिंग और रियर में फेसलिफ्टेड टेललाइट्स व बंपर देखे जा चुके हैं। ओवरआल बाक्सी सिल्हूट बरकरार रहेगा, लेकिन नई ब्रेजा का लुक ज्यादा स्पोर्टी महसूस होगा। इंटीरियर में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। माना जा रहा है कि इसमें बड़ा 10.25-इंच या 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा। नया डैशबोर्ड लेआउट, प्रीमियम अपहोल्स्ट्री, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, अपडेटेड डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बेहतर मैटेरियल क्वालिटी के साथ केबिन पहले से अधिक माडर्न लगेगा। मौजूदा फीचर्स जैसे हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग और कनेक्टेड कार टेक जरूर जारी रहेंगे।

सीएनजी वेरिएंट में अंडरबाडी टैंक मिलने से बूट स्पेस में बढ़ोतरी होगी। नए फीचर्स में 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स शामिल होना सबसे बड़ा अपग्रेड होगा, जो मारुति पहली बार ब्रेजा में दे सकती है। इसके अलावा बड़ा टचस्क्रीन, अडास लेवल-1, क्रूज कंट्रोल, वायरलेस एंड्रायड आटो-एप्पल कारप्ले और सिंगल-पेन सनरूफ जैसे फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं। सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग्स, ईएसपी और हिल होल्ड कंट्रोल पहले की तरह स्टैंडर्ड मिलने की उम्मीद है। इंजन लाइनअप में मौजूदा 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन (103 पीएस, 137 एनएम) और उसका सीएनजी विकल्प जारी रहेगा। हालांकि सबसे बड़ा अपडेट संभावित नया टर्बो-पेट्रोल इंजन होगा, जो 1.0-लीटर या 1.2-लीटर का हो सकता है और 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ आएगा।

पृष्ठ तीन का शेष

असम ने आठवें वेतन...

पदों और शेट्टी आयोग और द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन पाने वाले न्यायिक सेवा अधिकारियों को शामिल नहीं किया जाएगा। आदेश में आगे कहा गया है कि राज्य सरकार द्वारा गठित पैनल वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों में निष्पक्ष, प्रदर्शन-उन्मुख और वित्तीय रूप से टिकाऊ तरीके से संशोधन की जांच करेगा और सिफारिशें देगा। अधिसूचना में आगे कहा गया है कि यह राज्य सरकार के पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को दिए जाने वाले पारिश्रमिक की भी जांच करेगा, विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में होने वाले उतार-चढ़ाव के संबंध में, और राजकोषीय स्थिरता के अनुरूप महंगाई राहत, पेंशन संशोधन और संबंधित मामलों के लिए उपयुक्त प्रणालियों की सिफारिश करेगा। आठवां असम वेतन आयोग 18 महीनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। असम सरकार के कर्मचारियों के वेतन में आखिरी संशोधन 1 अप्रैल, 2016 को लागू हुआ था, जो 7वें असम वेतन एवं उत्पादकता वेतन आयोग की सिफारिश पर आधारित था।

अरुणाचल की ...

की महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार की हालिया खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना सोशल मीडिया पर विभिन्न इन्फ्लुएंसर्स द्वारा साझा किए गए टैग और वीडियो के माध्यम से उनके संज्ञान में आई। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के मालवीय नगर में पूर्वोत्तर की हमारी बहनों के साथ दुर्व्यवहार की घटना मेरे संज्ञान में आई है। कुछ इन्फ्लुएंसर्स ने मुझे अपने वीडियो में टैग भी किया है।

विस चुनाव से पहले ...

विभागों या व्यक्तियों को जिला आयुक्त के कार्यालय में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसमें शस्त्र लाइसेंस संख्या, विशिष्ट पहचान संख्या (यूआईएन), शस्त्र पंजीकरण संख्या और छूट के वैध कारण निर्दिष्ट करने होंगे। संबंधित पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी जमा किए गए प्रत्येक हथियार के लिए रसीद जारी करेंगे। परिणाम घोषित होने के बाद निर्धारित अवधि समाप्त होने पर हथियार लाइसेंस धारकों को लौटा दिए जाएंगे। आदेश में आगे चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुपालन न करने पर शस्त्र अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अलावा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी की यात्रा...

व्यवस्था की जा रही है। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री महत्वाकांक्षी पंचग्राम-सिलचर हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे, जिसे लोकप्रिय रूप से सिलचर-शिलांग बाईपास के नाम से जाना जाता है। राय ने कहा कि लगभग 22,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से स्वीकृत यह परियोजना बराक घाटी और गुवाहाटी के बीच यात्रा के समय को काफी कम करके लगभग 4.5 घंटे कर देगी। इससे दक्षिणी असम के लिए नए आर्थिक और रसद संबंधी अवसर खुलेंगे। शहरी अवसंरचना को बढ़ावा देने के एक बड़े कदम के तहत, प्रधानमंत्री बहुप्रतीक्षित सिलचर फ्लाईओवर की आधारशिला भी रखेंगे, जो यातायात की भीड़ को कम करने और शहर के सड़क नेटवर्क का आधुनिकीकरण करने के उद्देश्य से बनाई गई 564 करोड़ रुपए की परियोजना है। मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सिलचर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ रहेंगे।

कछार में अज्ञात ...

जब्त कर ली गई है, लेकिन चालक को अभी पकड़ा नहीं जा सका है। गोगोई ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक प्रतिमा को नष्ट करने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे महान नेता और प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी की विरासत का अपमान है, जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी। गोगोई ने आगे कहा कि राजनीतिक विचारधाराओं में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन ऐसे अनैतिक कार्यों के जरिये लोकतांत्रिक इतिहास को मिटाने की कोई भी कोशिश स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में ऐसी शर्मनाक घटना होने के बावजूद सरकार ने चिंताजनक चुप्पी साध रखी है।

मेघालय विस में ...

थे जिन्हें हमने जरूरत के कारण तय किया है, यह ध्यान में रखते हुए कि राज्य की एक बड़ी आबादी पशुपालन में लगी हुई है। उन्होंने स्टाफ की कमी पर चिंता जताई और कहा कि यह चिंता की बात है। मैनपावर की कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खाली जगहों को भरने को प्राथमिकता दी जाएगी। डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआरएस) तैयार करने में देरी पर, सांग्मा ने कहा कि जमीन की पहचान और मैनपावर की जरूरतों की प्लानिंग की वजह से इस प्रोसेस में देरी हुई। गौरतलब है कि प्रस्तावित वेटेरिनरी कॉलेज के लिए री-भोई के किरदेमकुलई में लगभग 800 एकड़ जमीन की पहचान की गई है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 334 करोड़ रुपए है। सीएम सांग्मा ने कहा कि हमें चिंता है क्योंकि पैसे की जरूरत काफी ज्यादा है और सदन को भरोसा दिलाया कि प्रोसेस को तेज करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

गौरव गोगोई इंडिया ...

सब कुछ साफ-साफ लिखकर बताया गया है, और ऐसे कमेंट्स को बेवजह अहमियत देने की कोई जरूरत नहीं है। गोगोई ने कहा मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो हर राजनीतिक बयान पर प्रतिक्रिया दे। मेरी जिम्मेदारी संसद और मुझे चुनने वाले लोगों के प्रति है। संसदीय मैत्री समूह एक तय संस्थागत प्रक्रिया के जरिए बनाए जाते हैं और इनका मकसद भारत के वैश्विक संसदीय जुड़ाव को मजबूत करना है। उन्होंने आगे कहा कि फिलीपींस के साथ संसदीय मैत्री समूह दो लोकतांत्रिक देशों के बीच कोऑपरेशन और बातचीत बढ़ाने के लिए बनाया गया है। यह लोकसभा की सौंपी हुई जिम्मेदारी है, और मैं इसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

अंतिम मतदाता सूची ...

अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। हालांकि, अंतिम सूची शुक्रवार को प्रकाशित की जानी है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि हटाए गए नामों की समेकित गणना तत्काल संभव नहीं होगी। उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, 28 फरवरी के बाद भी आयोग चरणबद्ध तरीके से सूचियां प्रकाशित कर सकेगा और उन्हें अंतिम सूची का हिस्सा माना जाएगा। सभी चरणों की सूचियों को एक साथ जोड़ने के बाद ही कुल विलोपन का आकलन किया जाएगा।

राष्ट्र निर्माण में ...

कालातीत वैज्ञानिक परंपरा बताया। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनि प्रथम शोधकर्ता थे, जिन्होंने पंचमहाभूतों पर आधारित शरीर विज्ञान की गहरी समझ विकसित की। उन्होंने गुणवत्ता, प्रामाणिकता और अनुसंधान को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

चंदा नहीं देने पर...

आरोपों पर उन्होंने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की। आरोपित पक्ष की प्रतिक्रिया जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। वहीं, घटना के बाद स्थानीय स्तर पर चिंता का माहौल है और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पाकिस्तान : फर्जी ...

प्रिंसिपल ने भी अदालत को बताया कि जहांगीरी कभी उनके संस्थान में विधिवत दाखिल ही नहीं हुए थे। अदालत ने कहा कि जस्टिस जहांगीरी को कई अवसर दिए गए कि वे अपने मूल दस्तावेज और लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। लेकिन उन्होंने फुल बेंच की मांग की, चीफ जस्टिस को मामले से अलग करने की अपील की,सुनवाई टालने की कोशिश की और कहा कि संबंधित मामला सिंध हाई कोर्ट में लंबित है। बेंच ने इन प्रयासों को *सुनवाई में देरी की रणनीति* बताया। कोर्ट ने कहा कि जब याचिकाकर्ता पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर चुके थे, तो यह जिम्मेदारी जज की थी कि वे अपनी डिग्री को वैध साबित करें। चूंकि वे ऐसा करने में असफल रहे, अदालत ने उनकी नियुक्ति को *शुरू से अमान्य* घोषित कर दिया। जस्टिस जहांगीरी को दिसंबर 2020 में हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। हालांकि सितंबर 2025 से उन्हें न्यायिक कार्य करने से रोक दिया गया था। अब इस फैसले ने पाकिस्तान की न्यायिक नियुक्ति प्रक्रिया और सत्यापन तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा है।

ईडी ने अनिल ...

आलीशान टावर अब अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) में कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में जब्त की गई संपत्तियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार (25 फरवरी) को हुई इस कार्रवाई की पुष्टि की, जिससे इस मामले में कुल कुर्क की गई संपत्तियों की संख्या लगभग 15,700 करोड़ रुपए हो गई है। मुंबई के सबसे आलीशान इलाकों में से एक में स्थित *अबोड* इमारत विलासिता का प्रतीक है, लेकिन ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी अभियान के चलते इसे फिलहाल जब्त कर लिया गया है। एजेंसी का आरोप है कि यह संपत्ति आरकॉम के धोखाधड़ी वाले बैंकिंग लेन-देन से प्राप्त धन से जुड़ी है, जो दूरसंचार कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं की जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 66 वर्षीय अनिल अंबानी से अगस्त 2025 में पीएमएलए के तहत उनकी पहली पेशी और बयान दर्ज होने के बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जल्द ही दूसरी बार पूछताछ की जाएगी। यह ऐसे समय में हो रहा है जब संघीय एजेंसी अपनी जांच को और गहरा कर रही है, और संपत्ति की कुर्की आरकॉम घोटाले से धन की हेराफेरी के प्रयासों को तेज करने का संकेत देती है। प्रवर्तन निदेशालय के विशेष कार्य बल ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत अनिल अंबानी के आलीशान पाली हिल स्थित आवास अबोड को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716.83 करोड़ है। इससे पहले इसी संपत्ति पर 473.17 करोड़ की आंशिक कुर्की की गई थी, जिससे रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) बैंक धोखाधड़ी जांच में सामूहिक रूप से जब्त की गई संपत्तियों की कुल संख्या 15,700 करोड़ से अधिक हो गई है।

भारत-बांग्लादेश के ...

परिवहन एवं पर्यटन मंत्री सुषांत चौधरी, त्रिपुरा रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (टीआरटीसी) के कार्यवाहक अध्यक्ष समर रॉय और आईसीपी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री चौधरी ने कहा कि ढाका के रास्ते अगरतला-कोलकाता बस सेवा की बहाली एक स्वागतयोग्य और सुखद पहल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश के विकास के लिए आपसी मित्रता जरूरी है और यह बस सेवा विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। टीआरटीसी के कार्यवाहक अध्यक्ष समर रॉय ने बताया कि अगरतला-ढाका बस सेवा भी जल्द शुरू होने की संभावना है। 35 सीटों वाली राज्य सरकार की बस सप्ताह में तीन दिन अगरतला से और तीन दिन कोलकाता से रवाना होगी। दोनों सेवाएं ढाका के रास्ते त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल को जोड़ेंगी। अगरतला-ढाका-कोलकाता और अगरतला-ढाका बस सेवाएं पहले कोविड-19 महामारी के दौरान निलंबित की गई थीं और जून 2022 में दोबारा शुरू हुई थीं।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भविष्य पर ईसीबी की सफाई, द हंड्रेड में भेदभाव से किया इनकार

नई दिल्ली

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड टूर्नामेंट की चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को यह स्पष्ट किया। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि भारत के स्वामित्व वाली कुछ फ्रेंचाइज़ियां राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर सकती हैं।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आठ टीमों की इस प्रतियोगिता में शामिल चार भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइज़ियां — मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, साउदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स — अगले महीने होने वाली नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर विचार नहीं कर रही हैं।

द हंड्रेड के आगामी सीज़न के लिए कुल 67 पाकिस्तानी खिलाड़ियों (63 पुरुष और 4 महिला) ने अपना नाम चयन हेतु पंजीकृत कराया है। ईसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड तथा द हंड्रेड की सभी आठ फ्रेंचाइज़ियां इस बात की पुन: पुष्टि करती हैं कि यह प्रतियोगिता समावेशी, स्वागतयोग्य और सभी के लिए खुली रहेगी। सभी टीमें चयन केवल क्रिकेट प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरतों के आधार पर करेंगी।

गौरतलब है कि कूटनीतिक तनाव के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ी वर्ष 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में हिस्सा नहीं ले पाए हैं। अब जब आईपीएल मालिक विभिन्न देशों की लीगों में भी टीमों के मालिक हैं, तो आशंका जताई जा रही थी कि अन्य टूर्नामेंटों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के अवसर सीमित हो सकते हैं। द हंड्रेड की नीलामी 11 और 12 मार्च को लंदन में आयोजित की जाएगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान भी उन लोगों में शामिल रहे जिन्होंने इन अफवाहों के बाद ईसीबी से हस्तक्षेप की मांग की थी। वान ने कहा, वे इस लीग के मालिक हैं और ऐसा होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यदि क्रिकेट को देश का सबसे समावेशी खेल बनाना है, तो इस तरह की स्थिति स्वीकार्य नहीं हो सकती।

न्यूज ब्रीफ

जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में पहुंची आकर्षी कश्यप

नई दिल्ली। भारतीय शटलर आकर्षी कश्यप ने मंगलवार को जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज आकर्षी कश्यप ने क्वालीफायर मुकाबले में चीनी ताइपे की ली यू-ह्सुआन को 21-10, 21-15 से एकतरफा अंदाज में हराया। मुकाबला पूरी तरह आकर्षी के नियंत्रण में रहा। अब मुख्य ड्रा में उनका सामना एक अन्य चीनी ताइपे खिलाड़ी हुआंग यू-ह्सुन से होगा। इस 2,50,000 अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में भारत के दिग्गज शटलर किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी भाग ले रहे हैं। मुकाबले की शुरुआत ली यू-ह्सुआन ने सकारात्मक अंदाज में की, लेकिन 4-4 की बराबरी के बाद आकर्षी कश्यप ने लगातार अंक जुटाते हुए 9-4 और फिर 16-8 की बढ़त बना ली। उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। दूसरे गेम में ली यू-ह्सुआन ने थोड़ी चुनौती पेश की और 8-14 से पिछड़ने के बाद स्कोर 12-14 तक पहुंचाया, लेकिन आकर्षी कश्यप ने उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया और मुकाबला सीधे गेमों में जीतकर मुख्य ड्रा में जगह पक्की कर ली।

आस्ट्रेलिया-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज 2026: डार्विन और मैके में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। यह दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला होगी, जो वर्ष 2003 के बाद पहली बार बांग्लादेश टीम का आस्ट्रेलिया में टेस्ट दौरा होगा। इस बार क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने पारंपरिक टेस्ट केंद्रों से हटकर मुकाबलों के लिए नए स्थानों का चयन किया है। पहला टेस्ट क्रिकेट आस्ट्रेलिया द्वारा मारारा स्टेडियम, डार्विन में आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट ग्रेट बैरियर रीफ एरिना, मैके में खेला जाएगा। डार्विन को वर्ष 2004 के बाद पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी का अवसर मिलेगा। इससे पहले 2003 में डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश भी शामिल था। वहीं मैके स्थित ग्रेट बैरियर रीफ एरिना पहली बार किसी पुरुष टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। अब तक इस मैदान पर पुरुष वर्ग के केवल तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं—1992 में भारत और श्रीलंका के बीच एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जबकि पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मुकाबले आयोजित हुए थे। इसके अलावा यहां तीन महिला एकदिवसीय और दो महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ कई ए श्रेणी के मुकाबले भी खेले जा चुके हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टाड ग्रीनबर्ग ने कहा, हम उत्तरी आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट लेकर आने को लेकर उत्साहित हैं और बांग्लादेश के खिलाफ शानदार श्रृंखला की उम्मीद कर रहे हैं।

फरहान बन सकते हैं विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

कोलंबो। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्वकप में अबतक जबरदस्त

बल्लेबाजी करते हुए एक शतक और दो अर्धशतकों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में अपना स्थान बनाया है। फरहान ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए सुपर-8 मुकाबले में भी 63 रनों की पारी खेली। इस 63 रनों की पारी के साथ ही उनके नाम इस टूर्नामेंट की पांच पारियों में कुल 283 रन हो गए हैं। अब फरहान को विश्वकप में सबसे अधिक रनों के विराट कोहली के रिकार्ड को तोड़ने के के लिए केवल 37 रनों की जरुरत है। विराट ने 2014 टी20 विश्वकप में सबसे अधिक 319 रन बनाये थे। अब पाक को सुपर-8 का अंतिम मैच श्रीलंका से खेलना है जिसमें फरहान के पास विराट का रिकार्ड तोड़ने का मौका है।

विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज
319 - विराट कोहली (2014), 317 - तिलकरत्ने दिलशान (2009), 303 - बाबर आजम (2021), 302 - महेला जयवर्धने (2010), 296 - विराट कोहली (2022), 295 - तमीम इकबाल (2016), 289 - डेविड वार्नर (2021), 283 - साहिबजादा फरहान (2026), 281 - मोहम्मद रिजवान (2021), 281 - आर गुरबाज (2024), 273 - विराट कोहली (2016) ।

टी20 विश्वकप : इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए 7 टीमों में मुकाबला

कोलंबो

पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत: भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड : न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है।।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नाकआउट में प्रवेश मिलेगा।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हे मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं। एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यार्कर, बैक आफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया।

यौन उत्पीड़न के आरोपों से हिली इटली की क्रिकेट, महिला समन्वयक निलंबित

नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक पदार्पण के कुछ ही दिनों बाद इटली क्रिकेट में उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब महिला टीम की एक खिलाड़ी ने महिला क्रिकेट समन्वयक प्रभात एकनेलिगोड़ा पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। इन आरोपों के बाद इटली क्रिकेट बोर्ड फेडेराज़ियोने क्रिकेट इटालियाना (एफसीआरआई) ने प्रभात एकनेलिगोड़ा को निलंबित कर दिया है।

एफसीआरआई द्वारा मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इन आरोपों की जांच संघीय अभियोजक कार्यालय द्वारा की जा रही है।

बयान के अनुसार, वर्ष 2025 के दौरान महासंघ की अध्यक्ष ने अपने संस्थागत दायित्वों के तहत संबंधित अधिकारी को सभी संघीय जिम्मेदारियों और गतिविधियों से तत्काल प्रभाव से एहतियातन निलंबित करने का आदेश दिया।

बयान में कहा गया, यह निर्णय परिस्थितियों की विस्तृत और अंतिम समीक्षा तक एहतियाती कदम के रूप में लिया गया है। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार की अटकलों को रोकना, खेल वातावरण की गरिमा बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि तथ्यों की जांच उचित मंच पर व्यक्तिगत सम्मान, विधिक प्रक्रिया और निर्दोषता की धारणा के साथ हो।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभात एकनेलिगोड़ा के वकील ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि इन आरोपों के पीछे अन्य उद्देश्य हो सकते हैं।

बोर्ड के मीडिया प्रबंधक रकबीर हसन ने पुष्टि की कि टी-20 विश्व कप के दौरान प्रभात एकनेलिगोड़ा, बोर्ड अध्यक्ष मारिया लोरेना हाज़ पाज़ के साथ भारत और श्रीलंका की यात्रा पर गए थे, हालांकि उनके पास कोई आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं थी।

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि संघीय अभियोजक कार्यालय के समक्ष कार्यवाही जारी है और खेल नियमों के तहत आवश्यक जांच और मूल्यांकन की प्रक्रिया चल रही है।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

बेंगलुरु। भारतीय महिला हाकी टीम आजकल मुख्य कोच शार्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें मे शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं। वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

चैंपियंस लीग: बोडो/ग्लिम्ट ने इंटर मिलान को चौंकाया, पहली बार अंतिम-16 में प्रवेश

मिलान

नार्वे के क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने मंगलवार को सैन सिरो स्टेडियम में खेले गए प्लेआफ के दूसरे चरण में पिछले सत्र के उपविजेता इंटर मिलान को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ बोडो/ग्लिम्ट ने कुल 5-2 के अंतर से मुकाबला अपने नाम करते हुए पहली बार चैंपियंस लीग के अंतिम-16 चरण में जगह बना ली।

पहले चरण में बोडो में 3-1 की जीत से बढ़त बनाने वाली नार्वेजियन टीम ने दूसरे चरण में भी दबदबा बनाए रखा। मैच के 58वें मिनट में येन्स पेट्टर हाउगे ने गोलकीपर द्वारा रोके गए शाट पर रिबाउंड को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके 14 मिनट बाद हाकान एवजेन ने सटीक दाएं पैर के शाट से स्कोर 2-0 कर मुकाबला लगभग तय कर दिया।

आर्कटिक सर्कल क्षेत्र से आने वाली इस टीम की इस सत्र में परीकथा जैसी यात्रा रही है। लीग चरण के अंतिम दो मुकाबलों में मैनचेस्टर सिटी और एटलेटिको मैड्रिड पर शानदार जीत दर्ज कर टीम प्लेआफ में पहुंची थी। इंटर के खिलाफ पहले चरण की जीत के बाद बोडो/ग्लिम्ट ने लगातार तीसरी जीत हासिल की और वही शुरुआती एकादश दूसरे चरण में भी उतारी। शुरुआत में इंटर का दबदबा इंटर मिलान ने आक्रामक शुरुआत की। पियो एस्पोसिटो ने शुरुआती मिनटों में हेडर से मौका बनाया, जबकि 15वें मिनट में मार्कस थुराम का कर्व शाट गोल के करीब से बाहर गया। घरेलू टीम ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाया, लेकिन मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। दूसरे हाफ में भी इंटर ने दबाव बनाए रखा। हैंडबाल की अपील पर रेफरी ने पेनल्टी नहीं दी और वीडियो सहायक रेफरी ने भी निर्णय बरकरार रखा। 58वें मिनट में ओले डिड्रिक ब्लोमबर्ग ने इंटर के क्षेत्र में ढीली पास पर कब्जा जमाया और गोल की ओर बढ़े। यान सोमर ने उनका शाट रोक दिया, लेकिन हाउगे ने तेजी दिखाते हुए रिबाउंड को गोल में बदल दिया। 72वें मिनट में एवजेन ने सटीक शाट लगाकर परिणाम लगभग तय कर दिया।

आईआईएस दंगल चैंपियनशिप का शानदार अंदाज में समापन, निशु और यश का रहा जलवा

हिसार (हरियाणा)

इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट (आईआईएस) दंगल चैंपियनशिप 2026 का समापन शानदार अंदाज में हुआ, जहां अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता निशु और यश ने अपने-अपने भार वर्ग में खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं।

आईआईएस द्वारा पारले-जी के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में रिकार्ड 300 से अधिक प्रविष्टियां मिलीं, जबकि करीब 240 पहलवानों ने नौ भार वर्गों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन शहीद मदन लाल धींगरा बहुउद्देशीय हाल, गिरी सेंटर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में किया गया।

53 किलोग्राम वर्ग की पहलवान निशु, जिन्होंने हाल ही में सर्बिया के नोवी साद में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आईं और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं 74 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे यश ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। निशु को 31,000 रुपये और यश को 51,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

यश ने जीत के बाद कहा, यह मेरे लिए बेहतरीन अवसर था, जहां मुझे उच्च स्तरीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मुकाबला करने का मौका मिला। खिताब जीतना हमेशा खास होता है। उम्मीद है कि भविष्य में ऐसे और आयोजन होंगे।

2025 में पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के बाद दूसरे संस्करण में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। लगभग 20 प्रतिशत प्रविष्टियां हरियाणा के बाहर से आईं। पुरुष वर्ग में करीब 250 और महिला वर्ग में 50 से अधिक प्रविष्टियां दर्ज की गईं।

प्रतियोगिता में आईआईएस के कई प्रमुख पहलवानों ने भी भाग लिया, जिनमें काजल (+62 किग्रा), निशु (53 किग्रा), सूरज (60 किग्रा ग्रीको-रोमन, अंडर-17 विश्व स्वर्ण पदक विजेता), सुमित (60 किग्रा ग्रीको-रोमन, अंडर-20 विश्व कांस्य पदक विजेता) और सुमित मलिक (57 किग्रा फ्रीस्टाइल, अंडर-20 विश्व कांस्य पदक विजेता) शामिल रहे।

पूरी चैंपियनशिप एक ही दिन में तीन मैट पर समानांतर मुकाबलों के साथ आयोजित की गई, जिससे दर्शकों और खिलाड़ियों को लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। महिला कोच कोसेई अकाइशी और उच्च प्रदर्शन निदेशक गैरी हाल भी प्रतिभाओं को परखने के लिए मौजूद रहे।

साई-आईआईएस हिसार केंद्र के संचालन प्रमुख सत्य प्रकाश ने कहा, यह आयोजन उभरते सितारों के लिए बेहतरीन मंच है। राष्ट्रीय शिविर के बीच आयोजन चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इससे नई पीढ़ी को वरिष्ठ स्तर पर खेलने का अवसर मिला।

वहीं उच्च प्रदर्शन निदेशक गैरी हाल ने कहा, यह दंगल युवा पहलवानों के लिए खुद को परखने और निखारने का शानदार अवसर है।

प्रमुख परिणाम (वरिष्ठ वर्ग)

फ्रीस्टाइल

- 57 किग्रा: स्वर्ण - सतेंद्र (हरियाणा), रजत - रोहित (हरियाणा)
- 74 किग्रा: स्वर्ण - यश (दिल्ली), रजत - अंकित जसमेर (हरियाणा)
- 125 किग्रा: स्वर्ण - रोहित (हरियाणा), रजत - दीपक (हरियाणा)

ग्रीको-रोमन

- 60 किग्रा: स्वर्ण - सूरज (हरियाणा)
- 77 किग्रा: स्वर्ण - विकास (हरियाणा)
- 130 किग्रा: स्वर्ण - विपिन (दिल्ली)

महिला कुश्ती

- 53 किग्रा: स्वर्ण - निशु (हरियाणा)
- 62 किग्रा: स्वर्ण - अंजलि (हरियाणा)
- 76 किग्रा: स्वर्ण - चंचल (हरियाणा)

आईआईएस दंगल चैंपियनशिप भविष्य में उभरते पहलवानों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रही है, जहां उन्हें वरिष्ठ स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिल रहा है।

इन कारणों से फैसला नहीं ले पाते

फैसला छोटा हो या बड़ा। हमारा हर फैसला हमारे जीवन को प्रभावित करता है। फिर चाहे वह कॅरिअर सम्बंधी हो या विवाह सम्बंधी। किस स्कूल में जाना है से लेकर मिली नौकरी, मौजूदा नौकरी से बेहतर है या नहीं। इस तरह के सैकड़ों फैसले हमें करने होते हैं। जो लोग आत्मविश्वास से भरे होते हैं, उन्हें इस तरह के फैसलों में अटकन महसूस नहीं होती। अटकन उन्हें होती है जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। दरअसल हम अकसर कुछ खोने से या हारने से डरते हैं। हमें हर जगह का लोभ होता है, हर जगह की चाह होती है। जबकि हमें इस तथ्य को स्वीकारना चाहिए कि जीवन के हर मोड़ पर विकल्प होते हैं और उन्हीं में से बेहतर को हमें चुनना होता है। कई बार लिए हुए फैसले के चलते कुछ खोना भी पड़ सकता है। कुछ हारों का सामना भी करना होता है। आखिर जीवन इसी का नाम है। ऐसे में भला कुछ खोने से या हारने से डर कैसा। जरूरी है कि मजबूत इरादा रखें और विकल्पों में बेहतर विकल्प को चुनने में सामर्थ्य बनें।

कमजोर विकास

इस दौड़ भाग भरी जिंदगी में कमजोरी की जगह ही नहीं बनी है। बावजूद इसके सबमें कुछ न कुछ कमजोरियां हैं, खामियां हैं। हम अपनी कमजोरियों से भाग नहीं सकते। जरूरी यह है कि हम उसका सामना करें। अब जरा सोचें कि आपको अपने लिए भावुक या व्यवहारिक पार्टनर में किसी एक को चुनना है तो आप क्या करेंगे? ऐसी स्थिति में अकसर लोग एक ही व्यक्ति में पूरा पैकेज तलाशने की कोशिश करते हैं। लेकिन माफ कीजिएगा! कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। पूर्णता की हमारी चाहत हमें अकसर कमजोर विकास की ओर धकेल देती है। परिणामस्वरूप हम इस तरह के फैसले लेने में न सिर्फ असमंजस में पड़ जाते हैं बल्कि दूसरे विकल्प को खोने से आहत भी महसूस करते हैं।

खोए हुए के लिए अफसोस

आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि जो चीज हमें नहीं मिलती, वही बेहतर लगती है। ...और चूंकि वह चीज नहीं मिली है, उसके लिए अफसोस के गर्त में चले जाते हैं। मिली हुई चीज की कद्र नहीं होती। हकीकत यह है जिंदगी में हुए बदलावों को हम आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते। जबकि बदलाव हमेशा सकारात्मक होते हैं। कहा भी जाता है कि परिवर्तन एकमात्र स्थिर है। बाकी सब अस्थिर होता है। बहरहाल जीवन में हुए बदलावों के चलते हम फैसले लेने में हिचक महसूस करने लगते हैं। अपना मूल्यांकन करने लगते हैं। जबकि अपना आलोचक होना नकारात्मकता की निशानी है।

महिलाओं के लिए स्वस्थ रहने के टिप्स

परंपरागत रूप से स्त्रियों का स्वास्थ्य एक उपेक्षित मुद्दा रहा है, विशेषकर भारत में। औरतें एक बहन, मां और पत्नी के तौर पर अपने पारिवारिक सदस्यों की देखभाल करती हैं, लेकिन अब यह स्थिति बदल रही है। अब लोगों में पहले से अधिक जागरूकता है।

आज औरतें भी अपने स्वास्थ्य की समस्याओं के प्रति जागरूक हो चुकी हैं, जोकि बेहद जरूरी भी है। तो चलिये जानें कि महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। खुद के स्वास्थ्य को संभालते हुए एक परिवार में औरतों की भूमिका औरतें, पुरुषों के मुकाबले स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में अधिक लचर रहती हैं। फिर चाहे खुद के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो या अपने परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो, या एक नियमित अंतराल पर निरीक्षण के लिए चिकित्सक के पास जाना हो या फिर सही खुराक और दवा उपचार का अनुसरण करना हो। आज के युग में औरतों को अपने घर और बाहर, दोनों जगह कई काम निपटाने होते हैं, जिसके कारण उनके ऊपर अत्यधिक तनाव का बोझ रहता है। हर दिन के तनाव के अलावा, औरतों का शरीर गर्भावस्था, प्रसव और मेनोपॉज जैसे बदलावों से भी होकर गुजरता है। शरीर में आये इन सारे बदलावों की वजह से एक स्त्री का शरीर कमजोर बन जाता है और उसके व्यवहार में भी कई बदलाव आते हैं। ब्रेस्ट कैंसर, सर्विकल कैंसर, ह्रदय रोग और प्रजनन तंत्र संबंधी बीमारियों से भी औरतों को जूझना पड़ सकता है।

महिलाएं और हार्मोन

महिलाएं अपने जीवन में ऐसे अनेक चरणों से होकर गुजरती है, जहां पर वह अपने शरीर में प्राकृतिक तौर पर होने वाले हार्मोनल बदलावों का अनुभव करती हैं। हार्मोनल बदलाव यौवन, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान उत्पन्न होते हैं, जिसके कारण महिलाओं में मूड बदलना और अवसाद जैसी मानसिक परेशानियों हो सकती हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि स्त्रियों को उसके जीवन में प्राकृतिक रूप से विभिन्न चरणों में आने वाले हार्मोनल बदलावों के बारे में पहले से ही जानकारी हो, जिससे कि उसे इन चरणों का बेहतर ढंग से सामना करने में मदद मिले।

प्यूबर्टी (यौवन) के चरण

प्यूबर्टी (यौवन) के चरण के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव धीरे-धीरे उत्पन्न होते हैं, इन बदलावों का महिला के शरीर पर साकार और स्थाई परिणाम नजर आते हैं। जीवन के इस बिंदु पर होने वाले बदलाव ब्रेस्ट का विकास, निजी स्थानों में बालों का विकास और कद का विकास आदि के रूप में नजर आते हैं। मासिक धर्म की प्रक्रिया भी इसी चरम में आरम्भ होती है। शरीर में उत्पन्न होने वाले बदलाव करीब तीन से चार वर्षों की अवधि तक नजर आते हैं और इस दौरान एक कन्या अनेक परिवर्तनशील मनोभावों से होकर गुजरती है। एक कन्या को अपने लगातार बदलते शरीर रूबरू होना पड़ता है, वह खुद के लिंगभेद के बारे में सचेत हो जाती है। साथ ही फर्टिलिटी के उत्पन्न होने की वजह से कन्या मानसिक रूप से बेहद संवेदनशील और चकित हो जाती है। इस चरण में पीयूष ग्रंथि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह शरीर और प्रजनन संबंधी अंगों के विकास के लिए शरीर में हार्मोनों के निर्माण में मदद करती है।

चाय और कॉफी पीने से पीले होते हैं दांत...

एक दमकमती मुस्कुराहट आपकी खूबसूरती को चार चांद लगा देती है। और एक स्वस्थ मुस्कुराहट के लिए जरूरी है, स्वस्थ और चमकते दांत। लेकिन, चाय और कॉफी का सेवन आपके दांतों पर पीलेपन की परत चढ़ा देता है। आइए जानें कैसे आप अपने चाय और कॉफी के शौक के साथ चमचमाते दांत भी पा सकते हैं।

चाय कॉफी के बिना रहना मुश्किल

आप चाय या कॉफी के बिना नहीं रह सकते। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक आप दिन में कई बार चाय और कॉफी का सेवन करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जो चाय अथवा कॉफी आप अपनी थकान उतारने के मकसद से लेते हैं, उसका आपके दांतों पर कितना बुरा असर पड़ता है। चाय और कॉफी में टॅन्निक एसिट होता है। यह एसिड गाढ़ा रंग बनाने में उपयोग होता है। यह एसिड दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचाकर दांतों को भूरा रंग दे सकता है।

चाय पीने के बाद करें दांतों को साफ

मुश्किल यह है कि आप चाय और कॉफी का सेवन छोड़ नहीं सकते। इसके बिना शायद आपका काम करना भी मुहाल हो जाये, लेकिन दांतों पर इसका असर कम करने के प्रयास तो किये ही जा सकते हैं। सबसे पहले आप यह कीजिये कि चाय और कॉफी पीने के बाद अपने दांतों को साफ कीजिये। अगर आप आइस कॉफी या टी पीना पसंद करते हैं, तो अच्छा रहेगा कि इनके सेवन के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल करें। इससे चाय मुंह के अगले दांतों को नहीं छुएगी। हां इससे आपके पिछले दांत तो पीले हो सकते हैं, लेकिन आगे के दांत चमकते रहेंगे। अगर फिर भी आपके दांतों का पीलापन दूर नहीं होता है, तो आप डॉक्टर की मदद ले सकते हैं।

बिना जिम के कैसे रखें खुद को फिट ?

देखा जाए तो सभी का शरीर अच्छा ही होता है। केवल आपको अपने शरीर को जानकार उसे स्वस्थ रखना है। जब मानसिक स्थिरता रहेगी तब शरीर स्वस्थ रहेगा और तभी आप बनेगे फिट। अब फिट बनना आसान हो गया है। हर गली नुक्कड़ पर जिम खुले है। लेकिन शमय की सम्सया रहती है। ऐसे में घर, दफ्तर में भी आप कुछ व्यायाम करके रह सकते है।

व्यायाम

सबसे पहले चलना, फिर जॉगिंग करते हुए सुबह के व्यायाम शुरू करना चाहिए। अगर आपको समय ही नहीं मिलता तो नौकरी पर जाते आते समय ऑटोरिक्सा करने से बेहतर थोड़ा चलना भी लाभकर साबित होता है। किसी भी जगह 1 घंटे के ऊपर ना बैठे। बीच बीच में थोड़ा चलना आवस्यक है। चलने फिरने के अलावा आप योगा भी कही पर भी कर सकते है। कुछ गीने चुने आसन को छोड़ कई ऐसे योग है जो आप घर, सफर, दफ्तर कही पर भी कर सकते है। खास कर के प्राणायाम, अवलोम विलोम इनसे आपको ताजगी महसूस होने लगेगी। जब भी कोई व्यायाम आप करे तो शारीर के उस भाग पर पड़ने वाले दाब को अच्छे से महसूस करे।

खान पान

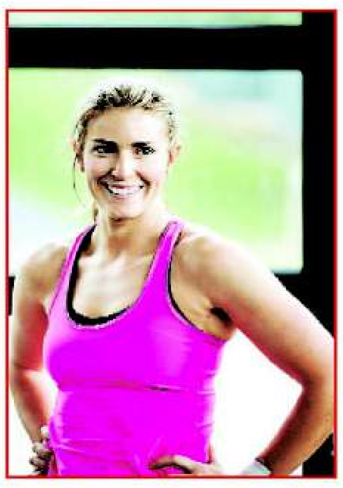

शारीरिक और मानसिक संतुलन खान पान से शुरू होता है। सब से पहले तो आपको 12 से 15 ग्लास लिक्विड पुरे दिन भर में लेना चाहिए। इसमें पानी, फल का रस, छाछ, ग्रीन टी और सूप जैसे हेल्दी ड्रिंक्स ले सकते है। जो खाना आपको बहुत पसंद है मगर डायट के मुताबिक न हो, उससे आप मोटे हो सकते है। तो वो खाना आप नास्ते में नहीं खा सकते है। जैसे की चावल, आलू की सब्जियां न खाए। इससे आप मोटे हो सकते है। अंकुरित दाने, और फ्रुट्स खाए। मधुमेह हो तो ब्राउन राईस / लापसी, दलीय का इस्तमाल करे।

खुशनुमा स्वभाव बीमारियों को रखें दूर

आए दिन बीमारियां बढ़ रही है। ऐसा कोई इंसान नहीं जिसे किसी बिमारी ने गले नहीं लगाया होगा। पहले जमाने में बहुत कम बीमारियां होती थी। मधुमेह और हायपर टेंशन जैसे बीमारियां तब केवल अमीर लोगो को होती थी। उस समय लोगो की उम्र भी अधिक और तंदरुस्त रहती थी। अब ऐसा क्या हुआ है, जिस कारण लोग हर कोई बीमारियों के चपेट में आ रहा है। जब्कि आज के जमाने में सारी सुविधाए मौजूद है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों पर इलाज है। दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक हो जाऐ, लेकिन अगर आपको बीमारियों से दूर रहना है तो स्ट्रेस को दूर रखना होगा। अधिक बड़ी बीमारियों का कारण स्ट्रेस है, जो शरीर और मानसीक रोगों को आमंत्रण देता है।

स्ट्रेस होने का कारण? : सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि जीवन शैली बदल गई है। जीवन में दौड़ भाग बड़ गई है, यह एक बड़ी वजह है अनचाहे तरीके से स्ट्रेस धीरे धीरे बीमारी का रूप लेता है। ये उपाय करके स्ट्रेस कम किया जा सकता है। जो कि फिजियोलॉजी स्ट्रेस से जुड़ा है। स्ट्रेस यानी तनाव जो शरीर और दिमाग दोनों पर बराबर अपनी बिमारियों का जाल डालता है। तनाव से कौन सी बीमारियां होती है?

हायपरटेंशन: तनाव में रक्तचाप पर सीधा असर पड़ता है। रक्तचाप या तो बेहद कम हो सकता है, या फिर अधिक। जिससे दिल का दौरा पड़ना स्वभाविक है। हायपरटेंशन में मशतिष्क पर भी असर होता है और वहा की बेहद नाजुक नसो के फटने से ज्यादा तर खतरा होता है।

मधुमेह (डैबेटिस): जीवन में तनाव इतना बड़ गया है कि इसका असर सबके जीवन पर हो रहा है। परिणाम अधिक मीठे से नहीं बलकी ज्यादा तनाव के कारण मधुमेह बड़ गया है।

महिलाओं पर तनाव का अधिक असर: महिलाएं ज्यादा भावुक और शारीरिक रूप से पुरुषों के मुकाबले कमजोर होती है। इस लिए तनाव का असर महिलाओं पर तुरंत होता है। मेंस्ट्राल और मेनो पोझल से गुजरना पड़ता है। मेंस्ट्राल में मासिक चक्र गड़बड़ा जता है साथ में खून अधिक बहने के आसार होते है। मेनो पोझल में मासिक चक्र बंद होता है और तनाव के चलते कभी 10 से 15 दिन खून का बहाव हो सकता है। पूरी तरह बंद होने पर भी स्ट्रेस के असर इससे शुरू में निर्माण होते है।

स्ट्रेस क्यों बढ़ रहा है?: पहले जमाने में अधिक काम लोग खुद करते थे। उस वक्त तो बहुत काम रहता था क्यों कि सबके बड़े परिवार होते थे। शारीरिक मेहनत ज्यादा होती थी क्योंकि वाहन कम थे, खेतों में अधिक काम होता था। खाना पीना एकदम सादा और सेहत से भरपूर रहता था। लेकिन जैसे जैसे जमाना बदल रहा है, वैसे जीवन शैली में काफी बदलाव आए है। सारी सुविधाए होने के कारण लोगो की शारीरिक गतविधियां कम हो गई है। साथ में अधिक भाग दौड़ के कारण परिवार को वक्त नहीं दे पा रहे। काम का बोझ के चलते तनाव कुछ ज्यादा ही बड़ गया है और आज के जीवन का वह एक अंग बन गया है।

तनाव को दूर कैसे रखे?: अगर दिनचर्या पूरी टाईट है। तो कम से कम एक वक्त परिवार के साथ मिल बैठकर खाना खाऐं। छुट्टी के दिन परिवार के साथ घर का थोड़ा काम करे। गार्डेनिंग एक सबसे मजेदार काम है, इसे भी आप कर सकते है। गुस्सा जब भी आए उसे सर पर ना चढ़ने दे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**